दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 82 | ग्वालियर, मंगलवार 11 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

बक्सर में गंगा में बहती मिलीं 30 से ज्यादा लाशें कोरोना से मौत की आशंका से सहमे लोग?

बक्सर। यूपी के हमीरपुर-कानपुर बाद अब बिहार-यूपी सीमा पर बक्सर में गंगा नदी में दर्जनों लाशें दिखाई देने से हड़कंप मचा है। कोरोना से मौत के बाद इन्हें गंगा में बहाने की आशंका से लोग सहमे हुए हैं। यूपी सीमा पर स्थित होने से अधिकारी उधर से ही लाशों के बहकर आने की बात कह रहे हैं। बताया जा रहा है कि यूपी के गाजीपुर जिले के बारा गांव से लेकर बक्सर जिले के चौसा श्मशान घाट तक सोमवार को गंगा में तैरती लाशें दिखाई दी। बक्सर के चौसा श्मसान घाट के पास गंगा के उत्तरायणी होने के बाद करीब 30-35 लाशें तैरती हालत में देखी गईं। हांलाकि, ग्रामीण इससे अधिक लाश होने की बात बता रहे हैं। उनका कहना है कि कोविड संक्रमितों के मर जाने के बाद बहुत लोग जलप्रवाह कर चले जा रहे हैं, जो लाशें बाद में किनारे पर लग जा रही हैं। वहीं, डीएम अमन समीर ने इस मामले के उजागर होने के बाद शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया है। उनका कहना है कि यूपी की ओर से लाशें बहकर सीमा में आ गई हैं। बताया गया है कि चौसा श्मशान घाट के पास स्थानीय लोगों ने सुबह में अधिक संख्या में लाशों को तैरते हुए देखा। कुछ लाशें सड़ी-गली अवस्था में भी थीं। इससे दुर्गंध आ रही थीं। श्मशाान घाट के आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया था। इसपर इसकी सूचना प्रशासन को दी गई। डीएम ने लाशों के बारे में पता लगाने के लिए सदर एसडीओ केके उपाध्याय को भेजा। सदर एसडीओ ने वहां जाकर गाजीपुर के सेवराई के एसडीओ के साथ मिलकर घाट का निरीक्षण किया। घाट पर करीब 30 से 35 लाशों को देखा गया। इसके बाद डीएम ने बताया कि गाजीपुर की ओर से लाशें तैरते हुए इधर घाट पर किनारे लग गई हैं। किसी स्थानीय की लाश होने की पुष्टि नहीं हो पा रही है। वहीं, सेवराई एसडीएम रमेश मौर्या का कहना है कि गाजीपुर की सीमा में गंगा के किनारे कोई शव नहीं मिला है। गंगा के किनारे के गांवों में एक -दो शव होने की सूचना मिली थी। इसका पता लगाया जा रहा है।

बारात जाने को थी तैयार, घुड़चढ़ी से पहले ब्लेड लेकर दूल्हे के घर पहुंच गई प्रेमिका और फिर...

गजरौला (अमरोहा)। घुड़चढ़ी से पहले दूल्हे के घर पहुंची उसकी प्रेमिका ने हाईवोल्टेज ड्रामा किया। बारात जाने की तैयारी में जुटे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। भीड़ जमा हो गई। प्रेमिका ने ब्लेड से हाथ की नस काटने की धमकी दी। लोगों ने किसी तरह उसे शांत कर कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद दूल्हा बारात लेकर जा सका। दोपहर तक प्रेमिका को कमरे में ही बंद रखा गया। घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है। शहर के एक मोहल्ला निवासी युवक के पड़ोस में ही किराये पर रहने वाली युवती से प्रेम संबंध हो गए थे। बताया जाता है कि युवती अपनी मां के साथ वहां किराए पर रहती है। इस बीच युवक की हसनपुर में शादी तय हो गई। युवती ने इसका विरोध किया तो युवक ने उसे समझा-बुझाकर किसी तरह शांत करा दिया। युवक सोमवार को दूल्हा बनकर बारात लेकर हसनपुर जा रहा था। इससे पहले कि उसके घर पर घुड़चढ़ी का कार्यक्रम शुरू होता तभी युवती हाथ में ब्लेड लेकर वहां धमक पड़ी। युवती ने हंगामा करते हुए हाथ की नस काटकर जान देने की धमकी देने लगी। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। युवक की घुड़चढ़ी भी रुक गई। तभी कुछ लोगों ने युवती को समझाकर उसके हाथ से ब्लेड छीना और उसी के कमरे में बंद कर दिया। आनन-फानन में बारात हसनपुर के लिए रवाना की गई। दोपहर तक युवती कमरे में ही बंद रही। घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई। प्रभारी निरीक्षक आरपी शर्मा ने ऐसी किसी घटना की जानकारी से इनकार किया। तहरीर मिलने पर जांच और कार्रवाई करने की बात कही।

गलतियों के लिए प्रायश्चित करें पीएम...

कोरोना संकट पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने पारित किया प्रस्ताव

नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सोमवार को हुई बैठक में कोरोना वायरस की दूसरी लहर पर चर्चा की गई। यह बैठक हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर बुलाई गई थी। बैठक के बाद पारित प्रस्ताव में, कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर को मोदी सरकार की उदासीनता, असंवेदनशीलता और अक्षमता का प्रत्यक्ष परिणाम बताया। सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव में कहा, %%यह वैज्ञानिक सलाह की केंद्र सरकार की इच्छाशक्ति की अवहेलना, महामारी पर जीत की इसकी समयपूर्व घोषणा (जो कि सिर्फ पहली लहर थी) और चेतावनी के बावजूद पहले योजना बनाने में असमर्थता का प्रत्यक्ष परिणाम है। चेतावनी सिर्फ हेल्थ एक्सपर्ट्स ने ही नहीं, बल्कि संसद की स्थायी कमेटी ने दी थी। प्रस्ताव में कहा गया है कि पीएम को अपनी गलतियों के लिए प्रायश्चित करना चाहिए।

कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा गलत-कोरोना पर पारित प्रस्ताव में देश में वैक्सीन सप्लाई को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि मोदी सरकार कठिन तथ्यों से इनकार करती रही। यह भी कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पिछले महीने पीएम मोदी को एक पत्र में टीके की सप्लाई और ज्यादा लोगों को टीका लगाने के तरीके सुझाए थे, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन द्वारा अशोभनीय तरीके से जवाब दिया गया था। प्रस्ताव में कहा गया, सीडब्ल्यूसी इस बात पर चिंता व्यक्त करती है कि कोरोना से होने वाली मौतों का डेटा गलत है और कई मौतों को शामिल नहीं किया गया। यह समय चुनौती का सामना करने का है, नाकि मरने वालों की संख्या को कम करने और संक्रमण के आंकड़ों को गलत दिखाने का है। प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी का मानना है कि यह राष्ट्रीय एकता, उद्देश्य और संकल्प की एक अटूट भावना दिखाने का समय है। प्रधानमंत्री को अपनी गलतियों के लिए प्रायश्चित करना चाहिए और लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को लेकर भी कांग्रेस का हमला-कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने दिल्ली के सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। सीडब्ल्यूसी ने इसे प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत घमंड परियोजना बताते हुए कहा कि आपराधिक रूप से पैसे की बर्बादी की जा रही है। सीडब्ल्यूसी ने कहा कि यह देश के लोगों का अपमान है और असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। इससे पहले, सीडब्ल्यूसी को संबोधित करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया और राज्यों पर कोरोना टीकाकरण छोड़ दिया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने अपनी जिम्मेदारी छोड़ दी है और राज्यों पर टीकाकरण छोड़ दिया है। केंद्र के लिए सभी को मुफ्त वैक्सीन प्रदान करने के लिए आर्थिक रूप से अधिक न्यायसंगत होगा।

देश में फिर से तीन लाख से ज्यादा नए मामले-लगातार चार दिन कोरोना वायरस संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले सामने आने के बाद भारत में सोमवार को एक दिन में कोविड-19 के 3,66,161 मामले सामने आए और इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,26,62,575 हो गए।

गृहमंत्री अमित शाह का विपक्ष पर हमला

कोविड पर राजनीति करना निंदनीय

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब केंद्र लोगों के जीवन की सुरक्षा के लिए हर संभव उपाय अपना रहा है, तब कोविड-19 संकट पर राजनीति की जा रही है. शाह ने ट्वीट किया, केंद्र ने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है. मोदी सरकार कोविड को नियंत्रित करने के लिए काफी प्रयास कर रही है, मगर विपक्षी नेता हमेशा की तरह राजनीति करना जारी रखे हुए हैं. गृहमंत्री ने एक ट्वीट में एक दैनिक में प्रकाशित केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के डिसइनफॉर्मेशन क्राइसिस शीर्षक आलेख का उल्लेख करते हुए टिप्पणी की -प्रकाश जावड़ेकर जी का लेख पढ़ें. आलेख में, जावड़ेकर ने लिखा है कि कैसे जनवरी की शुरुआत में देशभर में कोविड की स्थिति में काफी सुधार हुआ था और रोजाना आने वाले नए मामलों की संख्या लगातार घट रही थी. हालांकि,

उन्होंने कहा, केरल में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े और रोजाना आने वाले नए मामलों में लगभग एक तिहाई मामलों की रिपोर्ट वहीं से आ रही थी. 6 जनवरी को, मंत्री ने आलेख में उल्लेख किया, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने केरल सरकार को लिखा था और तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया था. अगले दिन, एक उच्च-स्तरीय केंद्रीय टीम राज्य में भेजी गई थी. यह पिछले साल के कई उदाहरणों में से एक था - विशेष रूप से पिछले कुछ महीनों में - जो केंद्र सरकार के कठोर निगरानी प्रयासों को उजागर करता है और भारत भर में कोविड के मामलों में तेजी से वृद्धि को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई थी. जावड़ेकर ने लिखा है, मुझे यह याद है कि इस मिथक का प्रसार किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने पहली लहर के बाद गेंद कोविड प्रबंधन के पाले में डाल दिया और पिछले कुछ महीनों से इसे पूरी तरह से राज्यों पर छोड़ दिया है. मंत्री ने कहा कि %सच्चाई से आगे कुछ भी नहीं है%, सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के बावजूद, केंद्र सरकार कोविड प्रबंधन में सक्रिय रही है, क्योंकि एक महामारी को राष्ट्रीय स्तर के समन्वय और पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती है. उन्होंने लिखा, सामने से नेतृत्व करना और राज्यों को काफी सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करना जारी रखा गया. फरवरी 2020 से, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मामले के रुझानों की निगरानी कर रहा है, राज्यों की तैयारियों का मूल्यांकन कर रहा है, तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है और राज्य एवं जिला स्तर पर बनाई गई प्रतिक्रिया रणनीतियों के अनुसार देखरेख कर रहा है.

नेपाल में अब किसकी सरकार ? बहुमत परीक्षण में ओली की हार के बाद क्या होगा

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री केपी ओली का अपना ही दांव उल्टा पड़ गया और संसद में विश्वासमत हासिल नहीं कर पाने की वजह से उनकी सरकार गिर गई है। निचले सदन में मौजूद 232 सांसदों में से 93 ने उनके पक्ष में मतदान किया तो 124 वोट उनके खिलाफ पड़े। 15 सांसद तटस्थ रहे। 271 सदस्यों वाले प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने के लिए ओली को 136 वोटों की आवश्यकता थी। दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की मान्यता रद्द करते हुए स्रू और माओवादी केंद्र को मई 2018 के समझौते से पूर्व की स्थिति बहाल कर दी थी। ओली ने पिछले सप्ताह संविधान के अनुच्छेद 100 (1) के तहत बहुमत परीक्षण की घोषणा की थी। फरवरी 2018 में ओली अनुच्छेद

72 (2) के तहत माओवादी केंद्र के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन स्रू और दहल के माओवादी केंद्र के विलय के बाद उनकी सरकार को अनुच्छेद 71 (1) के तहत दर्जा मिल गया था, क्योंकि इससे ह्रष्टक्क का सदन में पूर्ण बहुमत हो गया। ओली की ओर से बहुमत परीक्षण की घोषणा के बाद माओवादी केंद्र ने ओली से समर्थन वापसी का ऐलान कर दिया था और सरकार अल्पमत में आ गई। बहुमत परीक्षण में ओली की हार के बाद राष्ट्रपति को अब नई सरकार के गठन के लिए अनुच्छेद 76 (2) को प्रभावी करना होगा। अनुच्छेद 76 (2) कहता है कि यदि प्रतिनिधि सभा में किसी पार्टी को बहुमत नहीं होगा तो राष्ट्रपति को सदन के ऐसे सदस्य को प्रधानमंत्री नियुक्त करना होगा जो एक या अधिक पार्टियों के समर्थन से बहुमत जुटा सकते हैं। इससे नेपाली कांग्रेस को माओवादी केंद्र के समर्थन से सरकार बनाने का मौका मिलेगा, लेकिन दोनों पार्टियों को नई सरकार के गठन के लिए 26 और सांसदों की आवश्यकता होगी। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि सदन 76 (2) के तहत सरकार गठन में विफल रहता है या नियुक्त प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर बहुमत साबित नहीं कर पाता है तो राष्ट्रपति अनुच्छेद 76 (3) को प्रभावी करेंगे। इस केस में ओली को एक बार फिर सरकार गठन का मौका मिल सकता है। नेपाल के संविधान के मुताबिक यदि अनुच्छेद 76 (2) के तहत सरकार का गठन नहीं हो पाता है तो राष्ट्रपति प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़े दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे। ओली की पार्टी इस समय सदन में सबसे अधिक सांसदों वाली पार्टी है और ओली इसके नेता हैं। यदि ओली अनुच्छेद 76 (3) के तहत फिर प्रधानमंत्री बन भी जाते हैं तो उन्हें नियुक्ति के 30 दिन के भीतर एक बार फिर बहुमत परीक्षण करना होगा। यदि ओली बहुमत साबित नहीं कर पाते हैं तो एक बार फिर अनुच्छेद 72 (2) प्रभावी होगा, यदि कोई सदस्य यह दावा करता है कि उसे बहुमत मिल सकता है, राष्ट्रपति ऐसे सदस्य को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड, बाद में किया गया शुरू

जम्मू। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा का अकाउंट सस्पेंड कर दिया। हालांकि, इसके पीछे कंपनी ने कोई वजह नहीं बताई है। वहीं, कुछ समय बाद फिर से अकाउंट को शुरू कर दिया गया। कोरोना संकट के इस दौर में सिन्हा ट्विटर अकाउंट के जरिए अहम ऐलान और नीतिगत निर्णयों की जानकारी दे रहे हैं। सस्पेंड होने से पहले ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया था। ऑफिस ऑफ एलजी जम्मू-कश्मीर के जरिए से सिन्हा लोगों से कोरोना वायरस के एसओपी को मानने की अपील कर रहे थे। सोमवार शाम 6¬52 पर जब जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल का अकाउंट चेक किया गया तो उसमें अकाउंट सस्पेंडेड लिखकर आ रहा था। इसके साथ ही यह मैसेज भी था कि नियमों का उल्लंघन करने की वजह से ट्विटर अकाउंट्स को सस्पेंड करता है।

ममता बनर्जी ने अपने पास रखे 6 मंत्रालय

कैबिनेट में 20 नए चेहरे भी शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कैबनेट के गठन के बाद मंत्रालयों का बंटवारा कर दिया है। ममता ने अपने पास छह मंत्रालय रखे हैं तो 43 सदस्यों वाली नई कैबिनेट में 20 नए चेहरे शामिल किए हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने शुभेंदु अधिकारी को विपक्ष का नेता चुना है। तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई लेकिन सुप्रीमो ममता अपने पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से नंदीग्राम सीट पर नजदीकी मुकाबले में हार गईं। बनर्जी ने कहा, %%हमने कैबिनेट में 20 नए मंत्रियों को शामिल किया है। नए महिलाएं मंत्री (ममता सहित) हैं। 7 अल्पसंख्यक समुदाय से हैं और एसी-एसटी समुदाय से 4-4 मंत्री हैं। ममता ने कुछ सबसे अहम मंत्रालय जिनमें गृह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भूमि और भूमि सुधार, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार, सूचना और सांस्कृतिक मामले शामिल हैं, अपने पास रखे हैं। मंत्रालयों के बंटवारे के तुरंत बाद बनर्जी ने कैबिनेट की बैठक की और संकेत दिया कि उनकी सरकार कोरोना संक्रमण पर लगाम के लिए लॉकडाउन को प्राथमिकता नहीं देगी। पुख्यमंत्री ने कहा, हमने संपूर्ण लॉकडाउन लगाए बिना कई प्रतिबंध लगाएं हैं, मैं लोगों से इस तरह व्यवहार करने की अपील करूंगी कि जैसे लॉकडाउन हो। यदि आप संपूर्ण लॉकडाउन लगा देंगे तो लोगों की आजिविका बंद हो जाएगी। बहुत से गरीब लोग दिहाड़ी पर निर्भर रहते हैं। मंत्रियों की सूची में 24 कैबिनेट रैंक के हैं, 10 स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री और 9 अन्य राज्यमंत्री हैं। अमित मित्रा को एक बार फिर वित्त मंत्री बनाया गया है। मित्रा खराब स्वास्थ्य की वजह से चुनाव नहीं लड़ पाए। मंत्रिमंडल के नए चेहरों में पूर्व आईपीएस अधिकारी हूमायूं कबीर और पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना मामलों में बड़ी गिरावट, मुंबई से भी आई गुड न्यूज

वहीं, महाराष्ट्र के बीड जिले में कोविड-19 महामारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या को लेकर विवाद हो गया है जिसकी जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक समिति का गठन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक अप्रैल महीने में कोविड-19 के कारण 273 मरीजों की मौत हुई है जबकि शवदाह गृह और कब्रिस्तानों के प्रबंधन से जुड़े लोगों के मुताबिक इस दौरान कोरोना सं मण के कारण 378 लोगों की मौत हुई है।

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। राज्य में आज सिर्फ 37 हजार नए मामले सामने आए हैं। राज्य में कई दिनों तक 60 हजार से अधिक नए केस मिले थे, जिसके बाद संख्या में गिरावट आने लगी थी। इसके साथ ही राज्य की राजधानी मुंबई से भी कोरोना के नए मामलों को लेकर गुड न्यूज सामने आई है। मुंबई में दो हजार से भी कम कोरोना के नए मामले मिले हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना वायररस के 37,236 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 51,38,973 हो गई है। अभी राज्य में 5,90,818 एक्टिव केस हैं, जिनका इलाज चल रहा है। 549 लोगों की मौत के बाद

कुल मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 76,398 हो गया है। अभी तक कुल रिकवर होने वाले मरीजों की बात करें तो यह संख्या 44,69,425 हो गई है। बीते एक दिन में 61,607 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। मुंबई में आज सिर्फ 1,794 नए कोरोना के केस सामने आए हैं। साथ ही 74 लोगों की जान गई है। शहर में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,78,269 हो गई है। जबकि अब सिर्फ 45,534 कोरोना के एक्टिव केस हैं। इससे पहले, महाराष्ट्र में रविवार को कोविड-19 के 48,401 नए मामले सामने आए थे, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 51,01,737 हो गई थी। वहीं 572 और मरीजों की संक्रमण से मौत हो गई थी। बीते दिन 5 अप्रैल के बाद पहली बार ऐसा हुआ था, जब एक दिन में 50,000 से कम नए मामले सामने आए थे। पांच अप्रैल को राज्य में 47,288 नए मामले सामने आए थे।

कांग्रेस व भाजपा नेताओं ने लगाए जनपद सीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

कलेक्टर ने किया पांच सदस्यीय जांच दल गठित

पुष्पांजली टुडे

गोहद। करीब 4 वर्ष पूर्व नवल किशोर पाठक गोहद जनपद पंचायत में बी.डी.ओ. के पद पर पदस्थ हुए व भृष्टाचार में माहिर पाठक ने वरिष्ठ अधिकारियों से सांठगांठ कर वर्ष 2018 में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहद का प्रभार ले लिया ओर 3 वर्षों में भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित कर दिए। पाठक द्वारा जनपद पंचायत गोहद में किए जा रहे भ्रष्टाचार की जानकारी क्षेत्र की जनता द्वारा पूर्व विधायक रणवीर जाटव एवं वर्तमान विधायक मेवाराम जाटव को पता लगी तो उन्होंने जिलाधीश भिंड को प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवल किशोर पाठक द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराने के लिए शिकायती पत्र लिखें। पत्रों के अनुसार प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहद नवल किशोर पाठक भारी भ्रष्टाचार कर करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की गई है उनके द्वारा रोजगार गारंटी योजना में मनमाने तरीके से सामग्री भुगतान में दस प्रतिशत कमीशन लेकर नियम विरुद्ध भुगतान किए गए रोजगार गारंटी योजना में सामग्री भुगतान हेतु शासन स्तर पर समय समय पर भुगतान की पात्रता योजना निर्धारित की जाती है लेकिन इनके द्वारा शासन के पत्तों की अनदेखी करते हुए भुगतान की गए अतः शासन द्वारा जारी विभिन्न दिनांकों के पत्र उनके द्वारा किए गए भुगतान की दिनांक वार जांच की जाने की जाए क्योंकि नवल किशोर पाठक के द्वारा भुगतान की पात्रता की अनदेखी करते हुए किए गए है जिसकी विस्तृत जांच की जाना अत्यंत आवश्यक है लेकिन इनके यहां पदस्थ रहने से निष्पक्ष जांच की जाना संभव नहीं है इस कारण इनको जांच होने से अन्य जगह पदस्थ किया जाए। जनपद पंचायत में पदस्थ महिला कर्मचारी श्रीमती पुष्पा जाटव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी जबकि उक्त 10.50 लाख रुपए की राशि का आहरण प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवल किशोर पाठक के हस्ताक्षर से हुआ है। इनके द्वारा भुगतान के समय लेखा शाखा से बैंक खातों का सत्यापन जानबूझकर नहीं कराया गया। इनके द्वारा प्रकरण से संबंधित गवाहों के कथन अपनी मनमर्जी से दबाव डालकर कराए जा रहे हैं। ऐसे वर्तमान में सभी गवाहों इनके अधीनस्थ कर्मचारी है। पाठक के यहां रहते हुए यह जांच भी निष्पक्ष नहीं हो सकती। शिकायतों के माध्यम से बताया गया है कि वर्तमान में कार्यरत सरपंच, सचिवों व जनप्रतिनिधियों मैं इनके विरुद्ध अत्यंत आक्रोश है। इनके यहां पदस्थ रहते वह इनके विरुद्ध खुलकर नहीं बोल पा रहे हैं। ग्राम पंचायत फतेहपुर में पाठक द्वारा ग्राम रोजगार सहायक को सचिवीय प्रभार स्वयं ही प्रभार कर दिया गया। जबकि उनको उक्त अधिकार ही नहीं है। इस कारण उक्त जांच भी इनके द्वारा प्रभावित की गई है। प्रभारी जनपद सीईओ द्वारा अपने लिए बोलेरो गाड़ी बगैर किसी अनुमोदन के नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेतों की लगाई गई। कोविड-19 में संक्रमित होने के बावजूद भी कार्यालय में कार्य करते हुए संक्रमण चलाते रहे एवं कोविड गाइडलाइन की धज्जियां खुद ही उड़ा रहे। इनके ऊपर जनपद क्षेत्र में कोविड-19 संक्रमण रोकने का दायित्व है परंतु इनके द्वारा क्षेत्र के कई लोगों की जान जोखिम में डाल दी गई। मीडिया में खबर प्रकाशित होने पर मुख्यालय से बगैर वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराएं ग्वालियर चले गए। जिन पंचायतों द्वारा पाठक को परमिशन नहीं दिया गया वह पात्र पंचायतें भी उनके द्वारा भुगतान से वंचित कर दी गई। दोनों नेताओं ने जिलाधीश भिण्ड से अनुरोध किया है नवल किशोर को गोहद से हटाकर है अन्यत्र पदस्थ पर इनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की विस्तृत जांच की जाए। उक्त शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जिलाधीश भिंड ने प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी के विरुद्ध की गई शिकायत की जांच के लिए 5 सदस्य जांच दल गठित किया है उक्त जांच कमेटी जनपद पंचायत गोहद अंतर्गत कराए गए रोजगार गारंटी योजना के कार्यों की जांच कर एवं शिकायती पत्रों में उल्लेखित तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर बिंदुवार जांच प्रतिवेदन अपने स्पष्ट अभिमत सहित 10 दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। साथ ही जिलाधीश भिंड ने निर्देशित किया है जांच के समय हितग्राहियों के भी आवश्यकता अनुसार कथन लिए जाएं।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गोहद मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवल किशोर पाठक की शिकायत प्राप्त हुई है इसके अलावा वर्तमान व पूर्व विधायक एवं जनपद अध्यक्ष के द्वारा भी शिकायत की गई है। जिसके लिए कलेक्टर साहब ने पांच सदस्यीय जांच गठित किया है।

जेके जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत भिण्ड

सिरवी समाज सेवा संस्था करजाड़े जरूरंतमदो के लिए खाद्य सामग्री का वितरण किया

मुबई। करजाड़े सीरवी समाज आई माता मंदिर में कोरोना महामारी में गोर गरीब व जरुरत मद 30+ परिवारो को 15 दिन तक का धान्य कड़धान्य तेल आटा वितरण करते हुए सिरवी समाज सेवा संस्था द्वारा जनसेवा करते हुए जरूरत मंद की मदद करते हैं चावल 5 आटा 5 साखर 1 तेल 1 नमक 1 हल्दी पाउडर धनियां पाउडर मिर्ची पाउडर ऐसा रासन जो एक छोटे गरजु परिवार को सिरवी समाज सेवा संस्था करजाड़े द्वारा सहयोग सिरवी समाज के अलावा पुलिस प्रशासन अधिकारी की उपस्थिति में पि सी ई अमोल कोहले साहेब लाला लोडकर साहेब कर्णा शेलार नाथा भाई भरवाड सिरवी समाज सेवा संस्था करजाड़े के पद अधिकारियों कोशिश हमेशा रहेगी जितनी हों सके समाज सेवा मानव सेवा हो संस्था की तरफ से सिरवी समाज सेवा संस्था करजाड़े आगे भी जरूरंतमदो के लिए मदद करेगे।

मुकेश केवट द्वारा असहाय लोगों को खाद्य सामग्री देकर सहयोग किया

संतोष कुमार, हरिओम परिहार

शिवपुरी। जिला शिवपुरी नगर पंचायत रत्रोद से पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश केवट के छोटे भाई समाजसेवी मुकेश केवट द्वारा आज ग्राम में असहाय लोगों को खाद्य सामग्री देकर कोरोना महामारी में उनका सहयोग किया जिन घरों में कमाने वाला कोई नहीं है आज फिर मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ गांव में एक ऐसी गरीब महिला बुजुर्ग से संपर्क हुआ मेरे दोस्त के द्वारा मुझे बताया गया कि हमारे यहां पर एक व्यक्ति कई दिनों से भूखा पड़ा हुआ उसे खाने के लिए आटा पानी राशन की व्यवस्था नहीं है तो तत्काल मैंने उस भाई दोस्त से बोलो है तुम्हारे पास खाद्यान्न सामग्री पहुंच जाएगी और मेरे दोस्तों के सहयोग से आज फिर मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मैंने किसी गरीब असहाय जिसके पास कुछ भी नहीं है उसके लिए परमात्मा ने मुझे माध्यम बनाकर उसकी सेवा का अवसर प्राप्त किया मां पाएगा वाली मैया की कृपा से हनुमान जी महाराज की असीम अनुकंपा से एवं राम जी की कृपा से केवट परिवार रत्रोद के छोटे से प्रयास से गांव के गरीब लोगों के सहयोग के लिए सब मिल कर और ईश्वर से प्रार्थना किसी को भूखा ना सुलाये कहीं ना कहीं किसी न किसी प्रकार से उसकी सहायता हो यदि किसी जरूरतमंद को जो वास्तविक जरूरतमंद है जिसको कोई कमाने वाला नहीं है ब्रद विकलांग है ऐसे व्यक्तियों को संपर्क करें जो बिल्कुल आशय है मुकेश केवट रत्रौदउनको चिन्हित कर उनके घर घर जाकर सामग्री वितरण की गई इस कार्य के लिए समस्त ग्राम वासियों ने आभार व्यक्त किया गया।

गांव-गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चलाया

पुष्पांजली टुडे

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पिछोर छात्रों द्वारा गांव गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें गांव के लोगों को समझाया जा रहा है कि कोरोना बीमारी से कैसे बचा जा सकता है इसके लिए बचाव के लिए कौन-कौन से कदम उठाना अनिवार्य है इस विषय में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पिछोर के प्रमुख एस एफ डी प्रमुख सत्येंद्र कुमार एवं नगर कार्यकारिणी सदस्य श्री शिवराज सिंह वर्मा और नगर मंत्री दीपक पाल जी द्वारा दीवार लेखन किया जा रहा है जिसमें कोरोना महामारी के चलते लोगों को जागरूक किया जा रहा है लोगों को समझाया जा रहा है के लोग अपने घरों में रहें सुरक्षित रहें शासन के नियमों का पालन करें सोशल डिस्टेंसिंग मास्क गाइडलाइन सभी चीजों का हम सभी को सफलतापूर्वक पालन करना है जिससे कोरोना महामारी पर हम लोग विजय पाएंगे।

किल कोरोना अभियान के तहत घोटी घुसमारा में हुआ घर-घर सर्वे

रितेश कटरे

बालाघाट। बालाघाट जिले में कोरोना की रफ्तार बढ़ती जा रही है। वही मरिज स्वस्थ्य होकर अपने घर जा रहे हैं। ग्रामों में कोरोना का संक्रमण रफ्तार ना पकड़े और संक्रमण की चैन को किस प्रकार तोड़ी जाए, इसके लिए कील कोरोना अभियान के अंतर्गत घर घर सर्वे हो रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में कील कोरोना अभियान के तहत बालाघाट जिले की लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। और इसे प्रमुखता देते हुए उपस्वास्थ्य केंद्र ककोड़ी की एएनएम सरस्वती रामटेक्कर के मार्गदर्शन में प्राथमिक सर्वेक्षण दल घोटी घुसमारा के सदस्य गणेश अगासे जीआरएस, पुष्पा मुरकुटे आशा कार्यकर्ता, कु किरण नागदेवे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, गुणेश्वरी अगासे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, रेखा गोस्वामी सहायिका,वंदना नागदेवे सहायिका के द्वारा सर्वेक्षण किया गया।

51 परिवारों का किया गया सर्वे-

किरण नागदेवे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-किरण नागदेवे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने जानकारी दी कि ग्राम के 35 घरों के 51 परिवार के 229 सदस्यों का सर्वेक्षण किया गया। जिसमें 6 व्यक्तियों में सामान्य सर्दी, खाशी, सरदर्द के साथ कोरोना संकृमण के सामान्य लक्षण दिखाई दिए, जिन्हें कीट प्रदान की गई और कोविड टेस्ट की सलाह दी गई। हमारे द्वारा किल कोरोना अभीयान के साथ साथ पाजिटिव मरिजों के स्वास्थ्य की देखभाल भी की जा रही है। हमारा पुरा प्रयास है कि ग्राम में कोरोना का संक्रमण रफ्तार ना पकड़े और संक्रमण की चैन को किस प्रकार तोड़ी जाए , इसके लिए घर घर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। वहीं कार्य की समीक्षा कर मुस्तैद रहने एवं सेवा भाव से जुड़कर कार्य हमारी टीम के द्वारा किए जा रहे हैं।

समाजसेविका नेहा कुलश्रेष्ठ ने वृद्धाआश्रम में जाकर बुजुर्गों को फल वितरित किए

श्योपुर। कोरोना काल जैसी महामारी में भी समाजसेविका नेहा कुलश्रेष्ठ अपनी जिम्मेदारियों को बेखुबी निभा रही है आज समाजसेविका नेहा कुलश्रेष्ठ वृद्ध आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों को फल वितरण किए और शहर वासियों को मैसेज दिया की थोड़ा समय निकालकर सभी लोग जाया करो बुजुर्गों से मिलने से बुजुर्गों को अपनापन महसूस होता है हमसे ज्यादा खुशी माताओं को और बुजुर्गों को होती है मानों तो सारा संसार अपना है थोड़ा सा योगदान और प्यार करके तो देखों बुजुर्गों से बहुत सारा आशीर्वाद मिलता है और आशीर्वाद की दौलत कभी खत्म नही होती!

बसपा समर्थित प्रत्याशी ने मतगणना में धांधली कराने का जिला प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

औरैया उत्तर प्रदेश कि विकासखंड अजीतमल के वार्ड नंबर 2 से बसपा समर्थित जिला पंचायत सदस्यप्रत्याशी ने जिला प्रशासन व सत्ता पक्ष के स्थानीय नेताओं के दबाव में आकर आर ओ ने मतगणना में गड़बड़ी कर बैलेट पेपरों की हेरा फेरी की है ! जबकि एसडीएम अजीतमल ने आर ओ को पुनः जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था फिर भी आर ओ ने एसडीएम के आदेश की खुलेआम संविधानिक अवहेलना की! बताते चलें यह मामला बसपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य की उम्मीदवार अमरजीत सिंह विकासखंड अजीतमल के वार्ड नंबर 2 से प्रत्याशी बनाए गए थे।

बसपा समर्थित प्रत्याशी ने मतगणना में धांधली कराने का जिला प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

औरैया उत्तर प्रदेश कि विकासखंड अजीतमल के वार्ड नंबर 2 से बसपा समर्थित जिला पंचायत सदस्यप्रत्याशी ने जिला प्रशासन व सत्ता पक्ष के स्थानीय नेताओं के दबाव में आकर आर ओ ने मतगणना में गड़बड़ी कर बैलेट पेपरों की हेरा फेरी की है ! जबकि एसडीएम अजीतमल ने आर ओ को पुनः जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था फिर भी आर ओ ने एसडीएम के आदेश की खुलेआम संविधानिक अवहेलना की! बताते चलें यह मामला बसपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य की उम्मीदवार अमरजीत सिंह विकासखंड अजीतमल के वार्ड नंबर 2 से प्रत्याशी बनाए गए थे! अमरजीत सिंह ने जिला प्रशासन सत्ता पक्ष के स्थानीय नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं की मतगणना में भारी मात्रा में बैलेट पेपरों की हेराफेरी कर भाजपा की प्रत्याशी सोनू सेंगर को जितायागया है प्रत्याशी ने यह भी आरोप लगाया है, गड़बड़ी होने की शिकायत मैंने फोन द्वारा जिलाधिकारी महोदय से कि जिलाधिकारी महोदय ने मेरे द्वारा की गई शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और ना किसी भी प्रकार की आर ओ के खिलाफ कार्यवाही की पीड़ित प्रत्याशी ने अपनी ही पार्टी की जिला कोर कमेटी की पदाधिकारियों पर भाजपा से सांठगांठ करने का गंभीर आरोप लगाए हैं! अपना दुखड़ा रोते हुए बताया मैंने जिलाध्यक्ष से लेकर मंडल कोऑर्डिनेटर तक सभी लोग भाजपा से सांठगांठ करने में लगे हुए हैं, जब भी मैं फोन पर संपर्क करने की कोशिश करते हैं तो जिलाध्यक्ष से लेकर जिले के सभी पदाधिकारी अपने अपने फोन स्विच ऑफ कर देते हैं मेरी कोई भी समस्या जिला कमेटी कोर के सुनने को तैयार नहीं है ! पीड़ित प्रत्याशी ने बताया मैं अपनी बात बसपा सुप्रीमो बहन मायावती जी तक पहुंचाएंगे और यहां की कोर कमेटी के पदाधिकारियों की कमजोरियों के बारे में भी अवगत कराएंगे पीड़ित प्रत्याशी ने बताया अगर मुझे यहां से शासन प्रशासन द्वारा न्याय नहीं मिला तो मैं कोर्ट की शरण लेंगे।

वैक्सीन लगवायें अफवाहों पर ध्यान न दें: पंकज

भिण्ड। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा है।कोविड-19की महामारी से बचने का एक मात्र उपाय वेक्सिनेशन है,इसलिए जिसका नम्बर वैक्सीन लगवाने के लिए आये तो वह सभी लोग वैक्सीन जरूर लगवाये किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने सभी से निवेदन करते हुए अपील में कहा कि वैक्सीन के दोनों डोज लगवाने के बाद भी ऐतिहात जरूर बरतें जैसे कि सोशल डिस्टेंस, मॉस्क लगाना, हाथो को बार बार धोएं।शासन प्रशासन के द्वारा दी जाने वाली सभी गाइड लाइन को माने जिससे कि हमारे देश को इस महामारी से जल्दी निजात मिल सके,सभी के सहयोग से ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है।

राशन वितरण को लेकर जिला प्रशासन सख्त

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। सीईओ जिला पंचायत एवं संयुक्त कलेक्टर ने किया विरधनपुरा शासकीय उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण शासन द्वारा तय मात्रा से कम राशन देता पाया गया विक्रेता की गयी कार्यवाही। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत भिण्ड जेके जैन एवं संयुक्त कलेक्टर वरुण अवस्थी द्वारा संयुक्त रूप से शासकीय उचित मूल्य दुकान द्वारा हो रहे वितरण का औचक निरीक्षण करने क्षेत्र में गए। शासन के निर्देशानुसार पात्र परिवारों को अप्रैल, मई एवं जून माह का राशन निःशुल्क एक साथ वितरण किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत वितरण का जायजा लेने, विरधनपुरा में शासकीय उचित मूल्य दुकान पर पहुँचकर जिला पंचायत भिण्ड जेके जैन एवं संयुक्त कलेक्टर श्री वरुण अवस्थी द्वारा राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें उनके द्वारा पाया गया कि विक्रेता द्वारा शासन के निर्देशानुसार दिए जाने वाले राशन की तय मात्रा से राशन लेने आये व्यक्तियों को कम राशन दिया जा रहा था। जिसका उनके द्वारा समक्ष में ही राशन लेने आये व्यक्तियों से परीक्षण किया एवं उनके व्यान भी लिए गये। इसके साथ ही सभी राशन वितरण केन्द्रों पर एक शिक्षक की तैनाती की गयी है जो कि विरधनपुरा में अनुपस्थित था। इन दोनों अनियमितताओं का संज्ञान लेते हुए सीईओ जिला पंचायत जेके जैन ने दुकान विक्रेता रामकृष्ण शर्मा के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश डीएसओ को दिये हैं। साथ ही विरधनपुरा में अनुपस्थित शिक्षक नरोत्तम शर्मा की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने एसडीएम मेहगांव को दिया कारण बताओ नोटिस ओर सचिव को किया सस्पेंड

कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने सोनी मेहगांव में निरीक्षण के दौरान कंटेन्मेंट ज़ोन में सेनेटाईजेशन ठीक प्रकार से ना होना साथ ही बेरिकेटिंग भी ठीक प्रकार से नही पाई गयी ।इन अव्यवस्थाओं पर कलेक्टर ने नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए एसडीएम मेहगांव श्री महेश बडोले को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए साथ ही सचिव सोनी ग्राम को सस्पेंड करने के निर्देश भी मौक़े पर दिए।

एक नजर...

ग्राम स्तरीय एवं नगरीय वार्ड में संकट प्रबंधन समूह गठन के निर्देश
एसीएस गृह ने कलेक्टर्स को लिखा पत्र

भिण्ड। राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जाये। जिला स्तर पर पूर्व में ही जिला संकट प्रबंधन समूह गठित है और उनके द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिये सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजोरा ने कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों के गठन के निर्देश दिये हैं। इन समूहों द्वारा ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय वार्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न आपात स्थिति के नियंत्रण के लिये राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन और कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिये सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जायेगी।

विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह–डॉ. राजोरा ने बताया कि विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष होंगे। इस समूह में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, विकासखण्ड मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के आयुक्त के प्रतिनिधि अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, प्रोजेक्ट ऑफिसर महिला एवं बाल विकास विभाग, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, कलेक्टर द्वारा नामांकित विकासखण्ड के जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवी संगठन सदस्य होंगे।

ग्राम संकट प्रबंधन समूह–डॉ. राजोरा ने कहा कि प्रत्येक गाँव में ग्राम संकट प्रबंधन समूह का गठन किया जाये। ग्राम संकट प्रबंधन के समूह के अध्यक्ष ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष होंगे। ग्राम पंचायत के सचिव, जन अभियान परिषद, महिला स्व-सहायता समूह, राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता, प्रशासनिक समिति के संबंधित ग्राम में निवासरत सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी सहायिका और ग्राम के कोटवार/पटेल समूह के सदस्य होंगे।

वैद्य आपके द्वार योजना के जरिये घर बैठे निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

भिण्ड। आयुष विभाग द्वारा शुरू की गई ÷वैद्य आपके द्वार÷ योजना के जरिये घर बैठे निःशुल्क आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ से लाइव वीडियों कॉल द्वारा चिकित्सा परामर्श लिया जा सकता है। योजना में आयुष की तीनों विधाओं आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी का लाभ लिया जा सकता है। नागरिक एन्ड्राइड फोन में गूगल प्ले स्टोर से ।लनेीफनतम एप डाउनलोड कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे ने इस योजना का 7 मई को वर्चुअल शुभारंभ किया था। आयुष विभाग ने सामान्य जन को आयुष स्वास्थ्य सेवा सहजता से घर पर ही सुलभ कराने के उददेश्य से इस योजना को टेलीमेडिसिन एप के माध्यम से उपलब्ध कराया है। आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग का समन्वय रूप टेलीमेडिसिन है। इसके अंतर्गत विशेष रूप से तैयार किये गये एप ÷आयुष क्योर÷ का रोगी तथा चिकित्सक दोनों उपयोग कर सकेंगे। इसके द्वारा रोगी सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से चिकित्सक से परामर्श प्राप्त कर सकेंगें। चिकित्सक द्वारा बताये गये आवश्यकता होने पर विभिन्न जाँचों को कराकर अपलोड भी कर सकेंगे। इसके आधार पर चिकित्सक परामर्श दे सकेंगे। अधिक आवश्यक होने पर ही चिकित्सक चिकित्सालय में रोगी को बुलायेगें।

उपयोग का तरीका–आयुष क्योर एन्ड्राइड पर आधारित एक एप है। यह गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। मोबाइल नम्बर द्वारा पंजीयन/साइन अप तथा ओ.टी.पी. के माध्यम से सत्यापन होने के बाद आयुष चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी के अनुसार चिकित्सक तथा समय चुनकर अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगें। चुने गये चिकित्सक द्वारा निर्धारित समयानुसार ही एप के माध्यम से वीडियों कॉल कर चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा एवं परामर्श पत्र प्रेषित किया जा सकेगा। आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं को आसानी से दूर दराज तक रहने वाले लोगों तक पहुँचाने एवं चिकित्सालय में न पहुँच पाने वाले रोगियों के लिये यह सुविधा कोरोना संकट काल में वरदान साबित होगी।

कोरोना वांलेटियर श्री विशाल आचार्य ग्राम में पोस्टर लगाकर ला रहे जागरूकता

श्योपुर। जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना महामारी से निजात दिलाने की दिशा में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत नागरिकों को मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, सेनेटाईजर का उपयोग करने, टीकाकरण के लिए नागरिकों को प्रेरित एवं पोस्टर लगाकर नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूकता लाई जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत हलगांवडा खुर्द में कोरोना वोलेंटियर श्री विशाल आचार्य ग्राम में पोस्टर लगा कर जन जागरूकता ला रहे है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में कोरोना वालेंटियर के माध्यम से नागरिकों में कोरोना के प्रति जागरूकता लाई जा रही है। जिससे लोग कोरोना संक्रमण के प्रति खुद को बचाने के प्रयास करें। कोरोना वांलेटियर टीकाकरण केन्द्रो पर नागरिकों को टीका लगाने, मास्क पहनने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने एवं पोस्टर लगाकर नागरिकों को समझाइश दे रहे है। साथ ही कोरोना कर्फ्यु के दौरान नागरिको को बिना आवश्यक कार्य के घर से बाहर नही नही निकलने की सलाह देने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

कोरोना वालेंटियर ने रक्तदान कर की मदद

श्योपुर। कोरोना काल की इस संकट की घड़ी में सामाजिक कार्यकर्ता एवं किरोना वॉलिंटियर्स दिव्यांशु अग्रवाल ने एक पीड़ित मानव ललित मित्तल जिसका हेमोग्लोबिन मात्र 5 यूनिट रह गया था। उसे नवचेतना युवा संगठन के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ओर सोनू गोयल की सूचना पर तुरन्त इमरजेंसी में रक्तदान कर पुण्य कार्य किया। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि जिलें में संचालित किये जा रहे मैं कोरोना वालेंटियर अभियान में अतंर्गत पंजीकृत वालेंटियर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ हर नागरिक की मदद कर रहे है। कोरोना वांलेटियर कोरोना संक्रमण के लिए जागरूकता के साथ-साथ रक्तदान कर नागरिकों को जीवनदान देने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन कर रहे है। रक्तदान कार्य के दौरान सर्वश्री देवेन्द्र शर्मा, सोनू गोयल, अर्पित गुप्ता, दीपक मित्तल आदि ने अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया।

18 से 44 वर्ष के लाभार्थियों का ऑनलाईन पंजीयन के उपरांत ही होगा कोविड-19 टीकाकरण'

श्योपुर। कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में विगत 05 मई से 18 से 44 वर्ष के लाभार्थियों को कोविड-19 का टीका लगाने के लिए कोविड-19 टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत कोविड-19 का टीका लगाने के लिए लाभार्थियों को पहले ऑनलाईन पंजीयन, रजिस्ट्रेशन इस बेबसाइट पर जाकर करना होगा। जिसके बाद हितग्राही को स्लॉट जारी होने के बाद दिए गए चिन्हांकित टीकाकरण केन्द्र पर सुबह 09 बजे से शाम 05 बजे तक 18 से 44 आयु वर्ग के सेल्फ रजिस्टर्ड हो चुके लाभार्थियों के लिए 08, 10, 12, 13 एवं 15 मई को कोविड-19 टीकाकरण सत्र आयोजित किये जायेंगे। साथ ही टीकाकरण केंद्रों में अनावश्यक भीड न बढ़ाएं, स्लॉट बुक होने के उपरांत ही निर्धारित टीकाकरण केन्द्र पर जाकर टीका लगवाएं।

आने वाले समय में मप्र ऑक्सीजन के मामले में भी होगा आत्म-निर्भरः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को साग़र जिले के बीना में बीओआरएल के निकट नवनिर्मित अस्थाई 1000 बिस्तर के अस्थायी कोविड अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल के निर्माण संबंधी बैठक भी ली। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, यह प्रदेश का पहला ऑक्सीजन सप्लाई आधारित अस्थाई अस्पताल है, जहाँ पलंग तक डायरेक्ट ऑक्सीजन पाईप लाईन रहेगी। यह अस्पताल सर्व सुविधायुक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश ऑक्सीजन की उपलब्धता के मामले में भी आत्म-निर्भर बनकर उभरे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें कोरोना से हर मुक़ाबले के लिए तैयार रहना होगा। इस सिलसिले में बड़े ऑक्सीजन प्लांट्स की स्थापना प्रदेश में की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में गेल, आयनॉक्स जैसी संस्थाओं से भी बातचीत जारी है।

केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यहाँ अस्पताल का बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है। बीना रिफाईनरी की इंडस्ट्रियल ऑक्सीजन को मेडिकल ऑक्सीजन में कन्वर्ट कर मरीज़ों के लिए उपयोग में लिया जाएगा। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है जो साग़र, विदिशा, अशोकनगर और गुना सहित आसपास के ज़िलों के कोविड मरीजों के लिए बड़ी सौग़ात साबित होगा। केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि ऑक्सीजन की उपलब्धता के मामले में केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन लगातार मिलकर कार्य कर रहे हैं। शीघ्र ही मध्यप्रदेश ऑक्सीजन के मामले में आत्म-निर्भर होगा।

स्थल निरीक्षण और रोडमेप की समीक्षा–मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने अस्थाई अस्पताल स्थल का निरीक्षण किया तथा मौक़े पर ही सम्पूर्ण रोडमेप की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अस्पताल से संबंधित विभिन्न कार्यों हेतु नियुक्त एजेंसी तथा कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने यहाँ ऑक्सीज़न प्लांट, ऑक्सीज़न टेस्टिंग, कंप्रेसर कक्ष के निर्माण, ऑक्सीजन सप्लाई की 800 मीटर लंबी पाइपलाइन, दुर्गापुर से कंप्रेसर की शिफ्टिंग, अतिरिक्त स्टैंडबाय कंप्रेशर का क्रय, बॉटलिंग प्लांट संबंधित कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यहाँ बॉटलिंग प्लांट स्थापित कर अन्य ज़िलों की ऑक्सीजन की आवश्यकता को भी पूरा किया जाएगा।

केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन मिलकर निरंतर कर रहे हैं कार्य, संकट के समय में सौग़ात साबित होगा यह अस्पताल - पेट्रोलियम मंत्री श्री प्रधान', प्रदेश का पहला अस्थाई 1000 बेडेड अस्पताल, जहाँ बेड तक डायरेक्ट ऑक्सीजन सप्लाई की होगी सुविधा

हवा, पानी, तूफ़ान से भी सुरक्षित होगा कोविड अस्पताल–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भले ही यह एक अस्थायी अस्पताल है, परंतु इसे सर्व सुविधायुक्त तथा हर प्रकार से सुरक्षित अस्पताल बनाया जा रहा है। मौसम के ख़राब होने की स्थिति में भी यह अस्पताल हवा, पानी, तूफ़ान आदि सभी से सुरक्षित रहेगा।

वेस्ट मैनेजमेंट का रखा जाए ख़ास ध्यान–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिये कि, अस्पताल से संबंधित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल वेस्ट, लिक्विड वेस्ट आदि का वैज्ञानिक निपटारा और प्रबंधन किया जाए। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता ज़ाहिर की कि, विद्युत सब स्टेशन का कार्य समय-सीमा के पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, अस्थाई अस्पताल में भोजन व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा हाउसकीपिंग सर्विस की बेहतर व्यवस्था हो।

विभिन्न प्रोजेक्ट्स को समय-सीमा के पहले पूरा करने का रखें लक्ष्य–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अस्पताल तक के पहुँचमार्ग, डोम में कांक्रीट फ्लोर, पार्किंग एवं प्रशासकीय क्षेत्र में फ्लोरिंग, नाली एवं अन्य विविध कार्य, मेडिकल गैस पाईपलाईन सिस्टम, फैंसिंग सहित ऑक्सीजन बैकअप और 150 केएलडी के सेप्टिक/एसटीपी का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। साथ ही डोम, एक अतिरिक्त डोम, डोम में विद्युत कार्य एवं टॉयलेट, आउटसोर्स स्टॉफ से संबंधित कार्य भी समय-सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखें। उल्लेखनीय है कि बीना रिफ़ाइनरी द्वारा 2 बार (बीएआर) प्रेशर पर सप्लाई प्रारंभ की जाएगी, जिससे साधारण ऑक्सीजन अस्थायी अस्पताल के बिस्तरों के लिए पर्याप्त होगी। दुर्गापुर से लाए जा रहे 7 बार प्रेशर के कंप्रेशर को स्टेंडबाय प्रेशर के रूप में रखा जाएगा। साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर का इमरजेंसी बैकअप भी रखा जाएगा। कलेक्टर श्री दीपक सिंह ने बताया कि, डोम स्ट्रक्चर तथा विद्युतीकरण का कार्य 25 मई तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार जल प्रदाय, सड़क एवं कांक्रीट फ्लोरिंग का कार्य 15 मई तक तथा 200 पॉइंट्स पर ऑक्सीजन पाइप लाइन का निर्माण समय-सीमा में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फ़र्नीचर तथा अन्य उपकरणों से संबंधित समस्त क्रय आदेश भी जारी किए जा चुके हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया, सागर सांसद श्री राज बहादुर सिंह, विधायक श्री महेश राय, श्री गौरव सिरोटिया, पुलिस अधीक्षक श्री अतुल सिंह, अस्थायी अस्पताल के नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री नरेंद्र सूर्यवंशी और भारत ओमान रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने छूटे पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश

मुरैना। प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू के चलते मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार गरीब परिवारों को पात्रतानुसार खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में पात्रता पर्ची विहीन और छूटे हुए गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरण के लिये हितग्राहियों के सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन द्वारा जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को प्रत्येक पात्र परिवार को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने बताया कि छूटे हुए गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरण हेतु हितग्राहियों के सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। जिसके तहत हितग्राहियों के सत्यापन एवं पात्रता पर्ची जारी करने और छूटे हुए हितग्राहियों के सत्यापन में एनएफएसए, 2013 अंतर्गत निर्धारित 24 श्रेणियों के पात्रता संबंधी दस्तावेज उपलब्ध न होने पर हितग्राही द्वारा संबंधित श्रेणी में होने का आवेदन सह-घोषणा-पत्र स्थानीय निकाय में प्रस्तुत करना होगा। स्थानीय निकाय द्वारा आवेदन सह-घोषणा-पत्र के पर्याप्त प्रिन्ट/छायाप्रति पंचायत एवं वार्ड कार्यालय में उपलब्ध कराये जायेंगे। स्थानीय निकाय में प्राप्त आवेदन सह-घोषणा-पत्रों की पंजी संधारित की जायेगी। परिवार की समग्र आईडी होना अनिवार्य है, यदि परिवार की समग्र आईडी जारी नहीं हुई है, तो तत्समय ही स्थानीय निकाय द्वारा समग्र परिवार आईडी निर्मित की जायेगी। नवीन आवेदक को परिवार के सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध कराने की अनिवार्यता नहीं है। परिवार के जिन सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध हों, उनकी प्रविष्टि पोर्टल पर की जायेगी।

छूटे हुए पात्र परिवारों का सत्यापन–कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने बताया कि स्थानीय निकाय द्वारा हितग्राही से प्राप्त आवेदन का निर्धारित बिन्दुओं पर परीक्षण किया जाएगा। आवेदक संबंधित ग्राम/वार्ड का निवासी है। परिवार एनएफएसए की पात्रता श्रेणी के अंतर्गत अर्हता रखता है। आवेदन में परिवार के एक सदस्य का सही मोबाईल नंबर उपलब्ध कराया गया है। आवेदक परिवार या उसके किसी भी सदस्य का नाम पूर्व से जारी पात्रता पर्ची में शामिल नहीं है। समग्र परिवार आईडी सही अंकित की गई है एवं आवेदन तथा समग्र आईडी डाटा में उल्लेखित परिवार के वितरण का मिलान हो रहा है। सत्यापन की कार्यवाही अधिकतम दो कार्य दिवस में पूर्ण की जायेगी। वार्ड प्रभारी या ग्राम पंचायत सचिव द्वारा उक्तानुसार आवेदन का परीक्षण उपरांत जानकारी सही पाये जाने पर राशन मित्र पोर्टल पर आपदा खाद्यान्न राहत मॉड्यूल में आवेदक की जानकारी प्रविष्ट की जायेगी तथा हितग्राही को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने के लिये आवेदन जनपद या नगरीय निकाय को अग्रेषित किया जावेगा। जनपद पंचायत या नगरीय निकाय के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत या वार्ड कार्यालय से अग्रेषित आवेदनों का परीक्षण उपरांत स्वीकृत या अस्वीकृत करने की कार्यवाही राशन मित्र पोर्टल पर की जायेगी। आवेदन को अस्वीकृत करने की दशा में अस्वीकृत करने का कारण अंकित करना होगा। वास्तविक पात्र हितग्राहियों को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने का उत्तरदायित्व स्थानीय निकाय या सत्यापनकर्ता अधिकारी का होगा।

हितग्राहियों के सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित

अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया–स्थानीय निकाय द्वारा आपदा खाद्यान्न राहत श्रेणी अंतर्गत परिवार के सत्यापन उपरांत एनआईसी द्वारा साप्ताहिक रूप से अस्थाई पात्रता पर्ची जारी की जायेगी। जारी पात्रता पर्ची में अस्थाई पात्रता पर्ची का उल्लेख किया जायेगा, जो कि आगामी तीन माह तक वैध होगी। तीन माह की समयावधि में हितग्राही द्वारा पात्रता संबंधी दस्तावेज एवं परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध कराने पर स्थाई पात्रता पर्ची जारी की जा सकेगी। अस्थाई पात्रता पर्ची राशन मित्र पोर्टल पर उपलब्ध कराई जायेगी, जिसका प्रिन्ट स्थानीय निकाय द्वारा हितग्राही को उपलब्ध कराया जायेगा। अस्थाई पात्रता पर्ची जारी होने की सूचना हितग्राही के पंजीकृत मोबाईल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से दी जायेगी।

खाद्यान्न का आवंटन एवं वितरण–निर्धारित की गई प्रक्रिया के तहत जोड़े गए नवीन परिवारों के लिये एन.एफ.एस.ए अंतर्गत अतिरिक्त खाद्यान्न गेहूँ एवं चावल का आवंटन जारी किया जायेगा। उचित मूल्य दुकान पर आवंटित खाद्यान्न के प्रदाय की प्रत्याशा में दुकान पर उपलब्ध स्टाक में से हितग्राही को खाद्यान्न का वितरण कराया जायेगा। योजना अंतर्गत खाद्यान्न प्रदाय की प्रतीक्षा किये बगैर हितग्राही को खाद्यान्न वितरण कराया जायेगा। अस्थाई रूप से जोड़े गए नवीन हितग्राहियों को पीओएस मशीन से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। इसके लिए आपदा खाद्यान्न राहत श्रेणी अंतर्गत पृथक से पीओएस मशीन पर प्रदर्शित होंगे। पात्र हितग्राही को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी होने के माह से खाद्यान्न प्राप्त करने की पात्रता होगी। परिवार को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य प्रतिमाह के मान से खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त पीएमजीकेएवाय अंतर्गत माह मई एवं जून, 2021 का कुल 10 किलोग्राम खाद्यान्न भी निःशुल्क वितरण किया जायेगा। हितग्राही को खाद्यान्न वितरण करते समय पीओएस मशीन से जारी पावती आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाए।

नवीन परिवारों को जोड़ने एवं खाद्यान्न वितरण का प्रचार-प्रसार एवं निगरानी–कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने नवीन परिवारों को जोड़ने एवं उनको खाद्यान्न वितरण के संबंध में स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी इस संबंध में अवगत कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। प्राप्त आवेदनों के सत्यापन, पोर्टल पर प्रविष्टि, अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने एवं खाद्यान्न वितरण की प्रतिदिन पंचायतवार/निकायवार मॉनिटरिंग की जाये। हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त करने एवं राशन वितरण में कोविड-19 के बचाव के लिये निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं। अस्थाई रूप से जोड़े गए परिवारों द्वारा निर्धारित अवधि में पात्रता संबंधी दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर उनको जारी अस्थाई पात्रता पर्ची आमान्य कर दी जायेगी।

कोरोना वालेंटियर एनाउंसमेट कर नागरिकों को कर रहे है जागरूक सफलता की कहानी

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण को रोकने की दिशा में निरंतर कदम उठाये जा रहे है। जिसके अंतर्गत कोरोना कर्फ्यू लगाया जाकर कोरोना की चैन तोडने में सहायता की जा रही है। इसके अंतर्गत जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर भी कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नागरिकों को विभिन्न प्रकार से जागरूक कर रहे है। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि जिले में मै कोरोना वोलेंटियर अभियान के अंतर्गत वोलेंटियर्स ने नगर के वार्डों में जा कर टीकाकरण एवं हल्के सर्दी, जुखाम बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जा कर इलाज लेने के लिए आनंद नगर एवं ऑफिसर्स कॉलोनी श्योपर में जाकर गली गली एनाउंसमेंट किया। साथ ही कोरोना वोलेंटियर के रूप में स्वयं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह के साथ श्योपुर एनसीसी कैडेट्स अर्जुन चौहान, अनिल मिश्रा, आदित्य राजपूत, हरिओम गॉड, अंकित भार्गव, सतेंद्र त्यागी, जीतेश जागिड़, शोराव वाजपिये, सुतांश बंसल ने बढ़ चढ़ कर भागीदारी की और घर घर जा कर लोगों को टीकाकरण करने के लिए माइक द्वारा एनाउंसमेंट किया। जिसमे लोगो को कोरोना बचने के लिए मास्क लगाने, सोशल डेस्टिंग का पालन करने, पहली टीकाकरण की डोज ले चुके लोगों को दूसरी डोज लेने, बुखार में टीकाकरण न करने और हल्के सर्दी जखाम बुखार का तुरंत चिकित्सकीय सहायता द्वारा ठीक करने के लिए आग्रह किया गया।

कोरोना संक्रमण को रोकने टीम के रूप में काम करना होगाः मुख्यमंत्री श्री चौहान

जिला आपदा प्रबंधन समिति की मुख्यमंत्री ने ली बैठक, नकली दवाओं का कारोबार करने वालों और कोरोना मरीजों के उपचार में लापरवाही बरतने वाले निजी अस्पतालों पर होगी कठोर कार्यवाही

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में शासन और प्रशासन के साथ जन-प्रतिनिधियों, समाज एवं आम जनता की भागीदारी को भी जरूरी बताते हुये कहा है कि मिलजुलकर ही हम इस वैश्विक महामारी को परास्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जबलपुर प्रवास के दौरान जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना मरीजों के उपचार में लापरवाही बरतने और गड़बड़ी करने वाले अस्पतालों तथा नकली इंजेक्शन एवं दवाओं के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जायेगी। मानवता के खिलाफ अपराध करने वाले ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

बैठक में कोरोना पर नियंत्रण को लेकर जिले के प्रभारी बनाये गये सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया, सांसद श्री राकेश सिंह, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्रीमती नन्दिनी मरावी, श्री अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदू, श्री लखन घनघोरिया, श्री विनय सक्सेना, श्री तरुण भनोत, डॉ. जीतेन्द्र जामदार, संभागायुक्त श्री बी. चंद्रशेखर, आईजी पुलिस श्री बी.एस. चौहान, कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में कोरोना के प्रकरणों में आई कमी आई है। इस महामारी से आम जनता को बचाने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एक टीम के रूप में काम करना होगा और जबलपुर तथा प्रदेश को कोरोना से मुक्त करना होगा। उन्होंने कहा कि वे एक सकारात्मक सोच के साथ क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी में शामिल सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा करने और कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उनका सहयोग लेने जबलपुर आये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर जिले में कोरोना पर नियंत्रण के लिये किये जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कोरोना की तीसरी लहर की जताई जा रही संभावनाओं को देखते हुये अभी से तैयारियां प्रारंभ करने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुये ऑक्सीजन और आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाने की दिशा में अभी से काम करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है, अत~ विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में इसकी अगुवाई करनी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आयुष्मान कार्डधारी कोरोना संक्रमितों को समुचित उपचार कराने पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड तत्काल बनाने के भी निर्देश दिये, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के कोरोना संक्रमितों का निःशुल्क उपचार हो सके। उन्होंने जबलपुर जिले में पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य के प्रति संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किल कोरोना अभियान पर चर्चा करते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये शासकीय अमले के साथ स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने की जरूरत बताई। इनकी मदद से घर-घर सर्वे के दौरान सर्दी-खाँसी, बुखार से पीड़ित लोगों को चिन्हित किया जा सके और दवाओं की किट देकर समय पर उनका उपचार शुरू किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले में वैक्सीनेशन कार्य की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का एक भी डोज व्यर्थ न जाये, यह सभी को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को कोरोना की वैक्सीन लगाने का खर्च सरकार वहन करेगी। सरकार की कोशिश है कि युवाओं को जितनी जल्दी हो सके कोरोना की वैक्सीन लगाई जाये। इसके लिये जरूरत के मुताबिक वैक्सीन के आर्डर भी दिये जा चुके है और जल्दी ही निर्माता कंपनियों से वैक्सीन मिलना शुरू भी हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने वैक्सीन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाई जा रही भ्रांतियों और अफवाहों को दूर करने जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। बैठक में आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये गये। सांसद श्री राकेश सिंह ने आयुष्मान योजना को नये स्वरूप में लागू कर आयुष्मान कार्डधारियों को निजी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार दिये जाने के निर्णय के लिये जबलपुर जिले की जनता की ओर से मुख्यमंत्री श्री चौहान का आभार जताया। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा गरीबों को तीन माह का निःशुल्क राशन देने के लिये गये निणर्य की सराहना भी की गई। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि गरीबों को तीन माह का एक मुश्त राशन उपलब्ध कराने की इस योजना का सभी गरीबों को लाभ मिले। इसके लिये पात्र व्यक्तियों का तत्काल राशन कार्ड बनायें जायें। ताकि घरेलू कामकाजी महिलाओं, रिक्शा चालकों, हाथ-ठेला चालकों को भी राशन मिल सके।

सम्पादकीय

दवाओं की पड़ताल

दुनिया भर में कोविड महामारी से निजात पाने के लिए प्रभावशाली दवाओं की खोज लगातार जारी है। अब तक जो इलाज किया जा रहा है, वह मुख्यत॰ मरीज के शरीर के तंत्र को सहारा देने और नुकसान को सीमित करने पर आधारित है, ताकि शरीर का प्रतिरोधक तंत्र खुद वायरस से मुकाबला कर ले और वायरस जल्दी शरीर से चला जाए। जैसे बैक्टीरिया से मुकाबला करने के लिए कई प्रभावी एंटीबायोटिक दवाएं हैं, वायरस से होने वाले रोगों के खिलाफ हमारे पास बहुत सीमित दवाएं हैं, जो कुछ ही वायरस के खिलाफ कारगर होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले साल ऐसी चार दवाओं का परीक्षण किया था, जिनके कोविड के खिलाफ कारगर होने की संभावना थी, लेकिन उनमें से कोई सचमुच प्रभावशाली नहीं साबित हुई। हालांकि, बाद में उनमें से एक रेमडेसिविर को सीमित आधार पर उपयोग की मान्यता दे दी गई । अब विश्व स्वास्थ्य संगठन तीन नई दवाओं का परीक्षण दुनिया के कई अस्पतालों में करने जा रहा है। हालांकि, इनमें से कोई वायरस को मारने वाली दवा नहीं है, बल्कि ये एक अलग सिद्धांत पर काम करती हैं, जो आम तौर पर अब तक कोविड के गंभीर स्वरूप के खिलाफ सबसे ज्यादा कारगर तरीका नजर आता है। देखा यह गया है कि अक्सर कोविड के मरीजों की गंभीर स्थिति इसलिए हो जाती है, क्योंकि उनके शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र कोरोना वायरस के खिलाफ इतने ज्यादा आक्रामक तरीके से हमला करता है कि उससे मरीज के फेफड़ों की कोशिकाएं ही क्षत-विक्षत हो जाती हैं, यानी कोरोना वायरस से ज्यादा नुकसान शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र करता है। ऐसा कई वायरल संक्रमणों में होता है। एच1एन1 वायरस से होने वाले इन्फ्लुएंजा में लगभग 80 प्रतिशत गंभीर मामले इसी वजह से होते हैं। यही कारण है, सौ बरस पहले स्पेनिश फ्लू से मरने वालों में ज्यादातर नौजवान थे। नौजवानों का रोग प्रतिरक्षा तंत्र ज्यादा मजबूत होता है, इसलिए उनके प्रतिरक्षा तंत्र ने ज्यादा नुकसान किया। कोविड में इस प्रक्रिया के बारे में ठीक-ठीक पता नहीं है, लेकिन यह प्रमाणित है कि प्रतिरक्षा तंत्र को दबाने वाली कॉर्टिकोस्टेरॉइड व अन्य दवाएं गंभीर मरीजों में काफी कारगर साबित हुई हैं। प्रतिरक्षा तंत्र से जुड़ी बीमारियों में उपयोगी दवाएं जैसे टॉकलिजुमाब का भी गंभीर बीमारी में उपयोग किया जा रहा है और उसके नतीजे भी काफी अच्छे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन अब जिन तीन दवाओं, इमेटिनिब, आर्टेस्युनेट और इन्फ्लिक्सिमैब का परीक्षण कर रहा है, वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर काम करती हैं। हम जानते हैं कि डेक्सामेथासॉन जैसे स्टेराइड और टॉकलिजुमाब जैसी दवाएं कारगर तो हैं, लेकिन सारे मरीजों में इनका एक सा असर नहीं देखने में आता। कुछ मरीजों को इन दवाओं से फायदा होता है, तो कुछ को बिल्कुल नहीं होता। अब कोशिश यह है कि इसी किस्म की कुछ अन्य दवाएं खोजी जाएं, जिनके प्रभाव का दायरा ज्यादा हो और जिनसे ज्यादा मरीजों को निश्चित रूप से लाभ मिल सके। जाहिर है, कोरोना की रोकथाम की दूरगामी रणनीति का आधार तो वैक्सीन ही हो सकता है, लेकिन जब रोग की लहर चल रही हो, तब उनमें से करीब चार-पांच प्रतिशत लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। इन लोगों के लिए प्रभावी इलाज खोजने की कोशिशें बहुत महत्वपूर्ण हैं। उम्मीद है कि यह कोशिश जल्दी कामयाब होगी।

मुक्तक सफर

सफर अंजाना ही सही, मगर जान थी उसमें.
प्यार ही प्यार था उसमें, नई पहचान थी उसमें.
अजब सा मोड़ आया, जिंदगी बिखरी लगी लगने.
बिरानी सुबह लगती है, लूटी थी शाम अब उसमें.

स्वरचित, अप्रकाशित एवं मौलिक रचना
लेखिका/ रचनाकार॰ रीता तिवारी रीत
संप्रति॰ अध्यापिका ,स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री
शिक्षा॰ एमए समाजशास्त्र ,बी एड, सीटीईटी उत्तीर्ण
मऊ, उत्तर प्रदेश से

मजदूर

मजदूरी का काम है, करते प्रतिदिन काम।
बहे पसीना माथ से, मिले नहीं आराम।।
मिले नहीं आराम, हाथ छाले पड़ जाते।
सर्दी हो या ठंड, मेंहनत कर के खाते।।
परिवारों को देख, रहे सबकी मजबूरी।
कैसी हो हालात, करे फिर भी मजदूरी।।
कहते हैं मजदूर को, जग के हैं भगवान।
कर्म करें वो रात दिन, बने नेक इंसान।।
बने नेक इंसान, सभी के महल बनाते।
करते श्रम हर रोज, तभी तो रोटी खाते।।
धूप रहे या छाँव, बोझ सबके है सहते।
सुख दुख रहते साथ, कभी कुछ भी ना कहते।।
छाले पड़ते हाथ में, काँटे चुभते पाँव।
सहते कितनी मुश्किलें, बैठे कभी न छाँव।।
बैठे कभी न छाँव, ठोकरे दर दर खाते।
रहती है मजबूर, नहीं दिखती हालाते।।
आँसू उनके देख, जुबाँ लग जाते ताले।
चलते नंगे पाँव, हाथ पड़ जाते छाले।।

प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया
जिला- कबीरधाम
छत्तीसगढ़

अच्छे कानूनों के सच्चे और बुलंद पैरोकार की विदाई

भारत ने अपनी एक विधि सम्मत नैतिक आवाज को खो दिया। भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल और विधि वेत्ता सोली सोराबजी स्वतंत्रता और मानवाधिकार के बहुत बड़े समर्थक थे और जब भी अवसर आया या जब भी उन्हें लगा लगा कि मानवाधिकार पर हमले हो रहे हैं, उन्होंने आवाज बुलंद की। बड़े-बड़े सांविधानिक मामलों में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनके चमकदार विधि जीवन की शुरुआत केशवानंद भारती मामले से हुई थी, जिसमें उन्होंने ननी पालकीवाला और फली एस नरीमन के सहयोगी के रूप में काम किया था। यह अब तक का सबसे महत्वपूर्ण मामला माना जाता है कि जिसमें 13 जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी थी कि विधायिका को संविधान के मूल ढांचे में बदलाव करने का अधिकार नहीं है। कई जाने-माने संविधान विशेषज्ञों ने इस फैसले की आलोचना की थी। लेकिन बाद में जिस तरह संविधान में संशोधन किए गए और बिल्कुल संविधान की धज्जियां उड़ने लगीं, तो उन्हीं विशेषज्ञों ने केशवानंद भारती मामले में दिए गए फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह फैसला न होता, तो संविधान को बचाना मुश्किल हो जाता। सोली सारोबजी बाद में अनेक प्रभावकारी सांविधानिक मामलों से जुड़े रहे, जिनमें एक है मेनका गांधी मामला, जिसे सांविधानिक लिहाज से मील का पत्थर माना जाता है। इसमें उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट फैसला दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 21 में जो कानूनी प्रक्रिया की बात है, उसे सही और उचित होना पड़ेगा, जिसकी समीक्षा अदालत करेगी। इस तरह से उच्चतम न्यायालय ने ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ को संविधान का हिस्सा बना दिया।

शादीशुदा बेटे की विडंबना समझो

शायद इस विषय के बारे में कोई सोच भी नहीं रहा। हर विषय, हर किरदार पर लिखा गया है पर शादीशुदा बेटे कि हालत और मनःस्थिति को शब्दों में ढ़ालना आसान नहीं। ये एक ऐसा किरदार है जिस पर दोगुनी जिम्मेदारी होती है। बेटा खुद को माँ-बाप का कर्ज़दार समझता है क्यूँकि जन्म दिया है। और पत्नी का रखवाला क्यूँकि अग्नि को साक्षी मानकर ताउम्र साथ निभाने का वचन दिया है, तो हुआ न सैंडविच।

अक्सर हम कई घरों में सास बहू को लड़ते झगड़ते देखते है। दोषारोपण और तू तू मैं मैं से शुरू होते परिस्थिति अलग होने की कगार तक आ जाती है। जब बेटे की शादी होती है तो यहाँ पर एक माँ को कुछ बातों के लिए खुद को तैयार करना जरूरी होता है। पहले तो आपका औधा एक पायदान उपर उठता है, यानी कि माँ से आप सासु माँ बनने जा रही है। ये किरदार पूरे परिवार में गरिमामयी और जिम्मेदारी से भरा होता है। आपको अपने परिवार की गरिमा बनाए रखनी होती है। इसलिए पहले तो मंत्री की कुर्सी खाली कर दीजिए और एक सलाहकार बन जाईये। आने वाली बहू का एक लक्ष्मी के रुप में स्वागत किजीए और बेटी समझकर स्वीकार कीजिए। आपने आज तक घर परिवार संभाला अब जब संभालने वाली आ गई है तो उस पर भरोसा करके घर परिवार और बेटे को सौंप दीजिए, और आप अब खुद के लिए जिए, जब जहाँ बहू को जरूरत हो सही सलाह देकर समझाईये। अपने खानदान की परंपराओं और रिश्तेदारों से परिचित करवा कर बहू को घर की नींव बना दीजिए। खुद भी रिश्तेदारों के साथ मेलजोल बनाकर रखिए और बहू को भी सबके साथ अच्छे रिश्ते बांधने दीजिए जब आप नहीं रहेंगे तब इसी रिश्तेदारों के साथ ज़िंदगी गुज़ारनी है। बेटे पर हक जताना छोड़ दीजिए अब जितना हक आपका है उतना ही बहू का भी है। क्यूँकि बहू सिर्फ़ आपके बेटे के भरोसे अपनी पूरी दुनिया छोड़ कर आई है, और उन दोनों को ज़िंदगी साथ-साथ बितानी है तो उनकी ज़िंदगी में दखल अंदाज़ी न करें प्यार से रहने दें। बेटा आपका ही है आपका ही रहेगा पर जब तक आप अपनी हद में रहेंगे।

अगर बहू नौकरी कर रही कामकाजी है तो जब तक आप सक्षम है उसके हर काम में हाथ बढ़ाते रहिए। आख़िर आपके बेटे के भविष्य को आर्थिक रुप से सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है। कभी कभार बहू के ऑफिस से आते ही गर्म चाय का कप थमा दीजिए, या गर्म रोटी बनाकर खिलाइये बहू के दिल में सम्मान बढ़ जाएगा। वो भी किसी माँ बाप के जिगर का टुकड़ा है पर आपके घर की तो रिद्धि-सिद्धि है। बेटी की तरह प्यार से रखोगे तो घर में रौनक बनी रहेगी।

कभी बहू की तबियत ठीक नहीं तो प्यार से आराम करने दीजिए दो दिन आप घर संभाल लीजिए। ऐसी बहुत सी छोटी छोटी बातों से घर में शांति बनी रहेगी। साथ में घर के सबसे जिम्मेदार व्यक्ति ससुर जी होते है जिनका प्रभाव घर के हर छोटे बड़े पर होना चाहिए। परिवार को संजोकर रखना है तो भाषा पर कमान कसते सबको उनकी गलती का भान करवाना चाहिए और न मानने पर सख्ती से या प्यार से एक अनुशासन से घर में शांति का माहौल गढ़ना चाहिए। वह शख़्सीयत जब एक बार बोल दें कि आगे चिंगारी नहीं उठनी चाहिए तो सबको ये बात समझ में आ जानी चाहिए। दो पीढ़ी की सोच में अंतर तो रहेगा, पर समझदारी से परिवर्तन को स्वीकार करते चलेंगे तो साथ रहना आसान बन जाएगा। और ऐसे ही कुछ बातें बहू को भी समझनी चाहिए की आप बेटी से बहू बनने जा रही है। एक कूल की मर्यादा और परंपरा आपके जिम्मे आने वाली है। मायके में आप एक बिंदास लड़की बनकर रहती हो पर ससुराल में आपका एक स्थान होता है, जिनकी कई जिम्मेदारीयां होती है। तो अपने माँ-बाप के दिए हुए संस्कारों को उजागर करते ससुराल में सबका दिल जितना है। अब सास आपकी माँ है, ससुर आपके पिता और देवर-ननंद आपके भाई-बहन ज़िंदगी ही जब यहाँ काटनी है तो सबको अपना समझ कर हंसी खुशी सबको अपनाना है। पर इंसान की फ़ितरत और स्वभाव में अहं नाम का तत्व हर पल सक्रिय होता है। जिसके चलते आपसी टकराव घर की शांति छीन लेता है। बहू को सास में अवगुण नज़र आते है तो सास को लगता है कि नई नवेली बहू मेरे स्थान पर कब्ज़ा कर लेगी, ऐसी मानसिकता के चलते कोई एक दूसरे को अपना नहीं पाता और हर रोज किसी न किसी बात पर चिंगारी उठती रहती है। और इस परिस्थिति में बेटे की हालत खस्ता हो जाती है। माँ को कुछ बोले तो बीवी का गुलाम कहलाता है, और बीवी को कुछ बोले तो माँ का लाड़ला या छक्का कहलाता है। बेटा करे तो क्या करें। एक तरफ़ जन्म देने वाली जनेता होती है और दूसरी तरफ़ सिर्फ़ उसके भरोसे अपना सबकुछ छोड़ आई बीवी, जिसके साथ उसे पूरी ज़िंदगी बितानी है। और घर में शांति बनी रहे इस सोच के साथ बेटा चुप रहता है। पर उसकी भीतरी हालत सैंडविच जैसी होती है। बाहर से काम करके थकाहारा इंसान घर लौटता है सुकून को तलाशते पर घर में अगर झगड़लू माहौल रहेगा तो कहाँ जाएगा। वो मानसिक तौर पर टूट जाता है, पिसता रहता है। प्रतिदिन के झगड़ों से तंग आकर माँ-बाप से अलग होता है तो समाज की चिंता की लोग क्या कहेंगे। और माँ बाप की तरफ़दारी करके पत्नी से अलग होता है तो खुद की ज़िंदगी पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है। उसकी दिमागी हालत के बारे में कोई नहीं सोचता। माँ और बीवी दोनों का गुनहगार बनकर रह जाता है बिना कसूर के। माना कि चार बर्तन साथ में रखेंगे तो वो भी बजते है, तो चार इंसानों के बीच मन मुटाव जायज़ है, पर मत भेद को मन भेद मत बनने दो समझदारी से हर मसले का हल ढूँढो खुद की गलती का आत्मनिरीक्षण करो। हर झगड़े का मुख्य कारण सामने वाले की गलती ही होता है, किसीको अपनी गलती का अहसास तक नहीं होता। क्यूँ अपनों के साथ इतना वैमनस्य पालना, ज़िंदगी बहुत छोटी है साथ रहकर जश्न की तरह मनाओ हंसी खुशी एक दूसरे का सहारा बनकर रहो। जब हाथ पैर नहीं चलेंगे तब बहू बेटा ही काम आने वाले है। अकेलापन मौत से पहले मार देता है। प्यार बांटो, प्यार पाओ कल क्या होने वाला है कोई नहीं जानता है, जो परिवार साथ तो हर मुश्किल है आसान।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)सभावु

हे माते

हे! प्रथम वन्दनीय,प्रथम गुरु
माँ तुझको सब कुछ अर्पण है
जब आंख खुली इस दुनिया में
मुख तेरा ईश्वर दर्पण था
मैं रहता अक्क्षुण क्रंदन में
आँचल तेरा अवतर्पण था...
नन्हे पैरों की मारो से
मैं तुझको बहुत सताता था
क्षणिक आंख लग जाती तेरी
तत्क्षण ही तुझे उठाता था
अपार स्नेह की थपकी में
निस्वार्थ प्रेम समर्पण था
मेरे नादान से प्रश्नों का
हर उत्तर तेरे मुख पर था..
खुद रहकर भी भूखी तू
मुझे क्षीर पिलाती थी
दे सूखा बिछोना मेरा तू
खुद गीले में सो जाती थी
मेरे हर इशारे को तू
सरल समझ ही जाती थी
मुझ पर देख प्रहार को
तू ढाल मेरी बन जाती थी...
जीने का वो प्रथम पाठ
तुझसे ही मेने सीखा है

जब भी लोटा हु घर को मैं
बैचैन तुझे ही देखा है
तनय स्वर सुनने को माँ
बस तुझे तरसते देखा है ...
बस तुझे तरसते देखा है
हुई बड़ी संताने अब
जो माँ को मूर्ख बताती है
जिसने घर सींचा लहू से
उसे द्वार दिखाती है
जिसने छोड़ा विद्यालय तक
जीवन तेरा गढ़ने को
उसको छोड़ वृद्धालय में
अब शर्म तुझे नही आती है
किंचित विचलित नही है वो
दिल से दुआएं देती है
हर पल रहे तू हंसता सा
अब भी सजदे में रहती है
मंदिर मंदिर तू भटक रहा
पर ईश्वर तुझसे दूर नही
शीश नवा ले माँ के आगे
भोली है वो क्रूर नही
लग जा फिर छाती से उसके
जीवन फिर बन जायगा
जितना पाप किया है तूने
पल मैं वो धूल जायगा
व्यर्थ भीड़ है मंदिरों में
पत्थर में कहाँ गीर्वाण है
नमन तुझे है पूज्य माँ
चरण तेरे निर्वाण है ..
चरण तेरे निर्वाण है.।।

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
युवा लेखक/स्तंभकार/साहित्यकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश
व्हाट्सएप- 6392189466

गम की बात

गम की तेज धारा में, बहना चाहता है कौन
यहां गम के अंधेरे में, रहना चाहता है कौन
अक्सर दिल की वो बातें रह जाती हैं दिल में ही
सुनना चाहता है कौन, कहना चाहता है कौन
हुआ है साथ जो दिल के, फसाना हम किसे कह दें
नये तेवर सभी के हैं , पुराना हम किसे कह दें
सच ही बात है दुनिया में न कोई है किसी का भी
किसे अपना कहें और बेगाना हम किसे कह दें
दिन ने चैन छीना है, नीदें रात ने छीना
मेरे सीने की ठंडक को बरसात ने छीना
अकेला था तो कोई गम नहीं मुझको सताता था
सूकूं के चार पल जो थे तुम्हारे साथ ने छीना
कभी जो मांगते हम थे बताओ वो दुआ क्या थी
तुमको चाह बैठे तो , कहो उसकी सजा क्या थी
एक झटके में तुमने कर दिया मुझको परायों सा
सिवा तुमसे मोहब्बत के, कहो मेरी खता क्या थी
न चिंता थी कभी कोई, किसी अंजाम से मुझको
मोहब्बत हो गई थी तब बड़े आराम से मुझको
दिया जो प्यार तुमको वो नहीं तुमसे संभल पाया
कि अब नफरत सी हो गई है तुम्हारे नाम से मुझको

विक्रम कुमार मनोरा, वैशाली

केंद्रीय चुनाव आयोग (कें चुआ)वास्तव में बिना रीढ और दांत का शेर !

(लेखक/ डॉ अरविन्द प्रेमचंद जैन)

मद्रास हाई कोर्ट द्वारा केंद्रीय चुनाव आयोग यानी के चु आ को फटकार के साथ कहा की चुनाव के कारण होने वाली मौतों के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार हैं इस कारण उनके ऊपर हत्या का मुकदमा चलना चाहिए .जो आयोग दूसरों पर आश्रित हैं यानी परजीवी हैं उसके ऊपर कार्यवाही करने से की होगा .बिना कारण के कोई कार्य नहीं होता .गंगोत्री पर कार्यवाही होना चाहिए .वास्तव में इस देश को इस स्थिति में लाने का श्रेय के लिए सत्ता के पिपासु मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं .न केवल वे पर उनके चालीस दोस्त .

कभी कभी शब्दों के मायने खुद अर्थ बता देते हैं .जैसे केंद्रीय चुनाव आयोग यानी कें चु आ यानि केंचुआ जो की बिना री? का कृमि होता हैं और वह गीली मिटटी में रेंगता हैं ,भाग नहीं सकता .इसका शरीर कई खण्डों में बंटा रहता हैं केंचुआ का तीन चौथाई भाग शरीर की दीवार से अंदर ग?ा रहता हैं और थो?ा सा हिस्सा बाहर होता हैं.केंचुए पृथ्वी के अंदर 1 फुट की गहराई तक रहते हैं .यह अधिकतर पृथ्वी पर पाई जाने वाली स?ी पत्ती ,बीज ,छोटे की?ें के डिम्भ और अंडे इत्यादि कहते हैं .ये जमीन की उर्वरा शक्ति ब?ाते हैं और उपज भी . उपरोक्त विवरण से यह प्रतीत होता हैं की हमारा केंद्रीय चुनाव आयोग की दशा यही हैं .पहली बात वह बिना री? का और दंतहीन शेर जैसा हैं ,गुर्राता हैं पर काट नहीं सकता ,या दूसरे शब्दों में सर्कस का शेर हैं जो रिंग मास्टर के को? पर या इशारे पर चलता हैं ,उसको अपनी शक्ति का अहसास नहीं हैं कारण वह पालतू बन जाता हैं या स्वामी भक्त श्वान जैसे पहले एच एम् वी यानी हिज मास्टर्स वौइस् या अपने मालिक का स्वामिभक्त पालतू श्वान .के रिकॉर्ड होते थे वैसा ही हैं

वह इतना बफादार होता हैं की और परजीवी की अपने मालिक के टुक?ों पर पलता हैं और मालिक के इशारे पर नाचता हैं ,अपने मन का उपयोग नहीं कर सकता हैं .यह स्थिति केंचुआ की ही नहीं जितनी भी सर्वोच्च संस्थाएं हैं वे सब रिंग मास्टर के इशारे पर नाच रही हैं इस समय रिंग मास्टर बहुत शक्तिशाली हैं जिसने अपने प्रभाव का उपयोग कर सबको अपना परजीवी बनाया हैं या बना लिया हैं .आज उसके विरोध में किसी की ताकत नहीं हैं जो उसका विरोधकर सके .इससे यह फायदा हुआ हैं की वह जितनी अच्छे कामकरता हैं उनका श्रेय खुद ले लेता हैं और यदि गलत हुआ तो उनकी गर्दन मरो? देता हैं कारण वे सब संस्थाएं उसकी पालतू कुत्ते जैसी हैं .

आज देश में बहुत विचित्र स्थिति निर्मित हो गयी हैं जो अस्थायी सेवक यानी नेता मंत्री, प्रधान मंत्री,मुख्यमंत्री उनसे स्थायी सेवक इतना डरते हैं जैसे वे स्थायी सेवक उनके गुलाम हों .अरे वे पांच वर्ष के लिए आते हैं और मौज मस्ती करके चले जाते हैं और ये अस्थायी नेता ऐसा जुल्म ढाते हैं जैसे वे पालक हो .इसी केंचुआ में शेषन जैसा शेर रहा जिसने अपनी शक्ति और उनके क्रियानवयन को करके बताया और दिखाया .आज कितनों को इतनी हिम्मत हैं रिंग मास्टर के सामने साहस दिखाने की ?.आज सब संस्था प्रमुख रिंग मास्टर के सामने केंचुआ बने हैं .इतनी कायरता या पराधीनता तो आपातकाल में नहीं लगी थी. यहाँ चीन्ह चीन्ह कर रेव?ी बाँट रहे हैं ,किसी की अपराध को ब?ा और किसी को नगण्य मानकर खाना पूर्ती कर रहे हैं .केंचुआ जरूर बिना री? का होता हैं पर उसके पास चलने फिरने की छूट रहती हैं पर केंद्रीय चुनाव आयोग वर्तमान में अपने मष्तिष्क का भी उपयोग नहीं कर सकता हैं वह परजीवी हो चूका हैं ,उसका कोई भी स्वतंत्र अस्तित्व नहीं हैं वह अदृश्य शक्ति के द्वारा संचालित हैं और जितना काम कहते हैं उतना करता हैं .यानी विवेक हीन हो चूका हैं .

ये सब देश की अवनति की निशानी हैं और रिंगमास्टर अपने मुँह मिया मिठ्ठू बन गए .उनको परनिंदा करने में अतीव आनंद होता हैं और मिलता हैं .उसका कारण जैसे उनके संस्कार और कुछ नहीं .एक बात ध्यान रखना होगा सबके दिन एक समान नहीं होते ,और इस समय रिंग मास्टर का पुण्य का उदय हैं तो को?ा चल रहा हैं अन्यथा सुबह जिनका राज तिलक होने वाला था उन्हें बनवास जाना प?ा इसीलिए जब सत्ता मिली हैं तो उसका दुरूपयोग नहीं करना चाहिए अन्यथा जाने के बाद विशेषण का उपयोग करते हैं .

यह बिलकुल सत्य हैं की राजनैतिक पार्टियों ने चुनावों में सत्ता पाने हजारो हजारों को मौत में मुंह में ठेला और लाखो लाखो को संक्रमित किया .अब यह सही में सिद्ध हुआ हैं की मु?ल सल्तनते अपने ही खून के प्यासे लोगों की हत्याएं कराकर सत्ता पाते हैं जिसका उदाहरण चुनाव हैं .यह सत्ता का नशा उतारना होगा जनता को नहीं तो शासक निरंकुश होकर और अत्याचार करेगा .अपनी कीर्ति ध्वजा फहराने कुछ भी करने को तैयार हैं .धिक्कार हैं ऐसे राजपाट का जो जनता की लाशों पर बैठकर जीत का जश्न मनाएंगे .वो त्ल भी करते हैं चरचा नहीं होती .

हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम .
जब तुम जगत में ,जगत हंसा तुम रोये ,
अब तुम ऐसी करनी करो की ताकि हंसी न होय
ये सत्ता का नशा, नशा नहीं होता
कभी सोचा हैं नशा का उल्टा नाश होता हैं
साक्षर यदि बिग? जाए तो राक्षस हो जाता हैं
नदी में जल न हो तो दीं हो जाती हैं
नाली में पानी न हो तो लीन हो जाती हैं .
क्षणिक सुख के लिए जिंदगी भर का बिगा? क्यों
शतरंज की सब गोटियां खेलने के बाद एक साथ हो जाती .सोचो

हास्य व्यंग्य- अ-तिथि

(लेखक/विवेक रंजन श्रीवास्तव)

विगत दिवस हमें एक स्कूल के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया . स्वयं प्राचार्य महोदय अपने दो सहकर्मियों के साथ हमें निमंत्रित करने घर आये . वे मेरे लिये सचमुच अ-तिथि थे , क्योंकि वे अनायास आये थे . ÷अतिथि देवो भव÷ के शुभ भाव से मैंने उनके मना करने पर भी उन्हें चाय बिस्किट से समादृत किया . किसी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में निमंत्रित होने का यह हमारा पहला अवसर था . हमें अपने इस आमंत्रण पर आंतरिक प्रसन्नता हो रही थी . इस निमंत्रण में हमें हमारी लेखकीय छबि को सार्वजनिक मान्यता मिलती दिख रही थी . अतिथियों के बिदा होते ही हम गर्व से मंद मंद मुस्काते भीतर पहुंचे . पत्नी को अपने मुख्य आतिथ्य की बात बताई .आम हिन्दी लेखको की प?ी लिखी पत्नियां , ज्यादातर पति के लेखन को बकवास से अधिक नहीं समझतीं . मेरी पत्नी भी अभिन्न ही है . संपादक जी भले ही लेखक को स्वीकार कर लें . पाठकों को भी रचनायें पसंद आ जायें पर मजाल है कि पत्नी जी रचना की प्रशंसा करें . सदा हमारे शाल श्रीफल के सम्मानो को जुगा? बता कर हमारा मजा लेने वाली श्रीमती जी पर भी मुख्य अतिथ्य के इस निमंत्रण का अच्छा प्रभाव प?ा . पत्नी ने हमें समारोह में क्या पहनना है , कैसे फोटो खिंचवाना है , ज्यादा हंसना नही है , बहुत सरल होना भी अच्छा नही होता, गंभीर व्यक्तित्व का श्रोताओ पर ज्यादा प्रभाव प?ता है , जैसे शाश्वत टिप्स टिका दिये . चयन कर हमारी पोशाक निर्धारित कर दी . हम मन ही मन भाषण की तैयारी करने लगे . सोचने लगे क्या बोला जाये जो आयोजन की हैड लाईन बने . यू ट्यूब पर मुख्य अतिथि के कुछ भाषण देख डाले ।

इमरोज़ आलम के गजल संग्रह सुलगते मौसम में रंग-बिरंगे फूलों का गुलदस्ता है

निक्की शर्मा रश्मि

सुलगते मौसम में इमरोज आलम (मुम्बई) द्वारा लिखा ग़ज़ल संग्रह है जिसमें इमरोज आलम ने ख़ास अंदाज़ में अपनी ग़ज़लों को सजाया है।

चमन में जाने की ज़िद छोड़ दे दीजिए आलम
बहार आई है अबके सुलगते मौसम में

बिल्कुल सही कहा है इमरोज आलम ने इस संग्रह में। इस ग़ज़ल संग्रह को खोलते ही मानो रंग बिरंगे फूलों का गुलदस्ता मिल गया हो। इस ग़ज़ल संग्रह के कवर पेज को डिज़ाइन किया है फिल्म लेखक निर्देशक संजय छैल साहब ने। इमरोज आलम के इस संग्रह में आपको एक से बढ़कर एक ग़ज़ल पढ़ने को मिलेगी। ग़ज़लें शेरो शायरी पढ़ने वालों को यह संग्रह खूब भाएगा। देश प्रेम से शुरुआत हुई इस ग़ज़ल संग्रह में प्रेम, दर्द जैसे सभी रंगों से सजा यह संग्रह ख़ासा पसंद आने वाला है ग़ज़ल प्रेमियों को। इस ग़ज़ल संग्रह में से कुछ आपको सामने रख रही हूँ जो मेरे दिल को छू गई और आपके दिलों तक भी जरूर पहुंचेगी।

देशप्रेम से भरी इस शेर को पढ़ें
बनाँएगे ज़मीं से आसमाँ तक गुलसिताँ अपना
सितारों सा नज़र आएगा फिर हिन्दोस्ताँ अपना*
***हमें बर्बाद करना इस कद्र आसान मत समझो**
छुपा है ज़र्रे ज़र्रे में वतन के पासबाँ अपना*

इमरोज़ आलम ने जीवन से जुड़ी हर कड़ी को अपने गज़लों में सजाया है।

***सरसराहट से हवाओं की गिला करने लगे**
ज़र्द पत्ते आँधियों में इल्तिजा करने लगे*
***पहला पत्थर मिल का तब सामने आया कहीं**
पाँव के जब फूटते छाले सदा करने लगे*

प्रेम, विरह से भरा यह संग्रह मानों हर वो एहसास कराता है जिसे हम कभी जीते हैं तो कभी भूलना

चाहते हैं। हर लम्हा मानों आपको कुछ याद दिलाता हो।

***जब मुसाफिर इश्क़ का घर से जुदा हो जाएगा**
जंगलों के दरमियाँ भी रास्ता हो जाएगा*
सरे अरमाँ गंवा चुका अपने
क्या बचा है जो फिर से खोऊँ मैं*

इमरोज़ आलम की यह संग्रह सुलगते मौसम में पढ़कर मानों हर रंग से रूबरू हो जाना है। यह संग्रह एक विशिष्ठ स्थान स्थापित करे। इमरोज़ आलम जी की कलम अनवरत सुंदर गति में चलती रहे। उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

***मैं एक लम्हा हूँ ऐ जाँ गुज़र ना जाऊँ कहीं**
मुझे समेट ले दिल में बिखर न जाऊँ कहीं*
इस संग्रह को पढ़ने के लिए संपर्क करें-
इमरोज़ आलम - 7039339864

दैनिक पुष्पांजली टुडे

शकुन बत्रा की फिल्म में यह रोल निभाएंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इसमें से एक शकुन बत्रा की फिल्म भी है। इस फिल्म में दीपिका एक खास भूमिका निभाने वाली हैं। हालांकि, इस फिल्म में उनके रोल को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली थी। अब जो खबर सामने आई है, उससे बेशक इसे लेकर दीपिका के फैंस की उत्सुकता और ब? जाएगी। दरअसल, दीपिका फिल्म में एक फिटनेस ट्रेनर का किरदार निभाने जा रही हैं। फिल्म एक सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर की लाइफ पर आधारित है। पिछले साल निर्देशक शकुन बत्रा ने दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य कारवा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था। हालांकि, उनकी इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। खबरों के मुताबिक इस फिल्म में दीपिका एक फि ट ने स इंस्ट्रक्टर क ी

कोरोना मरीजों की मदद के लिए आगे आए अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना, दान किए 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स

देश में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों के कारण हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। देश ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है। इस संकट की घड़ी में कई बॉलीवुड सेलेब्स मदद के लिए आगे आए हैं।

अब अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना ने कोरोना मरीजों के लिए 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान किए हैं। ट्विंकल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है।

ट्विंकल ने कहा कि लंदन की एक फाउंडेशन की मदद से वह और अक्षय 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स मुहैया कराने में सफल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संस्था के माध्यम से इसे लोगों तक पहुंचाया जाएगा। ट्विंकल ने बताया कि यह संस्था 120 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स उपलब्ध कराएगी। ऐसे में कुल 220 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का प्रबंध किया गया है। ट्विंकल ने लिखा, %अद्भुत खबर। लंदन इलीट हेल्थ से दैविक फाउंडेशन के तहत डॉक्टर द्रशनिका पटेल और डॉक्टर गोविंद बानकानी ने 120 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स देने का फैसला किया है। साथ ही अक्षय और मैंने मिलकर 100 और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का इंतजाम क?िया है। इस प्रकार यह आंकड़ा 220 तक पहुंच गया है।%

इससे पहले अक्षय कुमार ने पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर की संस्था ललस्न को एक करो? रुपए की सहायता राशि प्रदान की थी। इस महामारी में बॉलीवुड के कई कलाकार मदद के लिए आगे आए हैं। हाल में टीवी कलाकार गुरमीत चौधरी ने भी 1000 अस्पताल बेड्स बनाने का ऐलान किया है।

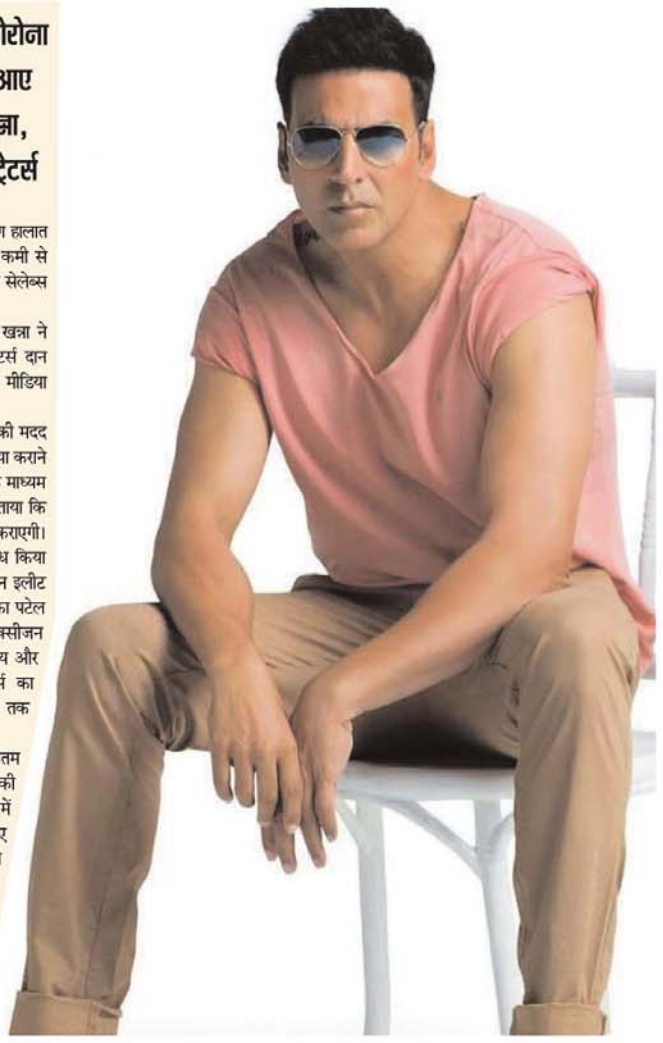

सनी लियोनी ने फैंस को दिए हैप्पी मैरिड लाइफ के टिप्स, वीडियो हो रहा वायरल

सनी लियोनी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं। सनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। सनी ने हाल ही में अपनी एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सनी लियोनी अपने पति डेनियल वेबर के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। सनी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो के साथ सनी ने हैप्पी मैरिड लाइफ की टिप्स भी दी हैं। सनी लियोनी ने वीडियो शेयर करते हुए फैंस को बताया कि अगर कामयाब शादी चाहते हैं, तो इन 5 टिप्स को जरूर फॉलो करें। वीडियो में लिखा दिखेगा- साथ में 10 साल हो गए हैं। अच्छी शादीशुदा जिंदगी के लिए 5 टिप्स। पहला दोनों के बीच बातचीत जरूरी है। दूसरा साथ में डेट नाईट प्लान करें। तीसरा खाना बनाएं। चौथा एक दूसरे को हंसाए। पांचवा एक दूसरे की तारीफ करें। बता दें कि सनी लियोनी और डेनियल वेबर की शादी साल 2011 में हुई थी। सनी लियोनी की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग है। वह जब भी कोई पोस्ट शेयर करती हैं वह कुछ ही समय में वायरल हो जाती है।

क्या इलियाना डिक्रूज ने करवाया था अबॉर्शन? एक्ट्रेस ने बताया सच

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों इलियाना अपने बारे में फैली अफवाहों को सुनकर काफी आहत हैं। उन्होंने इसे काफी दुखद करार दिया। खबरों के अनुसार एक इंटरव्यू में इलियाना ने बताया कि उनके बारे में ये फेक न्यूज फैलाया जा रहा है कि वो प्रेग्नेंट थी और इसके चलते उन्होंने अपना अबॉर्शन भी करवाया है। खबरों के अनुसार इलियाना ने कहा कि कुछ लोग हैं जो अफवाहें उड़ाते हैं जिसमें से एक खबर मेरी प्रेग्नेंसी और अबॉर्शन से जुड़ी थी। लोग इस तरह की खबर लिखते हैं ये बहुत दुखद है। इतना ही नहीं ये भी लिखा गया कि मैंने सुसाइड की कोशिश की थी लेकिन मेरी मेड ने मुझे बचा लिया था। उन्होंने कहा, जबकि मैं आपको बता दूं कि मेरी कोई मेड नहीं है और मैं जिंदा हूं। इस तरह की खबरों का क्या तुक बनता है। मुझे नहीं पता उन्हें ऐसी खबरें मिलती भी कहां से हैं। बता दें कि 2018 में भी इलियाना को और उनके बॉयफ्रेंड को लेकर कुछ खबरें आई थीं। हालांकि इलियाना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखकर इसका खंडन किया था। कुछ दिनों पहले ही इलियाना ने खुलासा किया था कि वह 12 साल की उम्र से बॉडी शेमिंग का शिकार होती आई हैं। इलियाना डीक्रूज के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने 2012 में फिल्म बर्फी से अपने बॉलीवुड करियर को शुरू किया था। इस साल इलियाना ने फिल्म द बिग बुल से अपना डिजिटल डेब्यू भी

जैस्मिन भसीन की कोरोना पॉजिटिव मां को नहीं मिल रहा था अस्पताल में बेड, एक्ट्रेस ने बयां किया दर्द

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इस महामारी के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा ह। लोगों को अस्पताल में बेड से लेकर ऑक्सीजन तक के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अब जैस्मिन भसीन ने भी इस बीच अपना दर्द बयां किया है। जैस्मिन ने बताया कि हाल ही में उनकी मां की तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी और उन्हें अस्पताल में एडमिट करना था, लेकिन वहां उन्हें बेड ही नहीं मिला। उनके पिता को इसके लिए काफी भागना पड़ा। जैस्मिन ने ट्वीट किया, बहुत दुख की बात है। हर जगह सब मर रहे हैं। लोग सड़कों पर लेटे हैं, अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। मेरी अपनी मां ऐसी ही मुसीबत को झेल चुकी हैं 2 दिन पहले। हमें अस्पताल में उनके लिए बेड नहीं मिल रहा था। मेरे पिता जिनकी उम्र भी ज्यादा है उन्हें हर अस्पताल के कई चक्कर लगाने पड़े। जैस्मिन ने अगले ?ट्वीट में लिखा, लोग अपनों को खो रहे हैं, किसे हम इसके लिए ब्लेम करें? क्या हमारा सिस्टम फेल हो गया है? जैस्मिन के इस पोस्ट पर फैंस उनके पैरेंट्स के लिए दुआ कर रहे हैं कि वे ठीक रहें। बता दें कि जैस्मिन भसीन ने बीते साल रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लिया था।

कोरोना का कहरः पति-पत्नी के बाद अब बेटे-बहू की मौत, घर में बचीं सिर्फ दो बेटियां

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण की तबाही जारी है। सोसाइटी में लगातार लोग संक्रमित हो रहे हैं और लगातार मृत्यु भी हो रही हैं। गाजियाबाद जिले के क्रासिंग रिपब्लिक टाउनशिप की पंचशील वेलिंगटन सोसाइटी में एक पूरा परिवार कोरोना से खत्म हो गया है। निवासियों न बताया कि पिछले 12 दिन में पति-पत्नी और बेटे-बहू यानी एक-एक करके चार लोगों की मृत्यु हो चुकी है। सोसाइटी निवासी राजकुमार राठी ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते सोसाइटी में हर दूसरे-तीसरे दिन एक व्यक्ति की मृत्यु हो रही है। अभी तक लगभग 10 से 12 लोग कोरोना से जंग हार चुके हैं। उन्होंने बताया कि सोसाइटी के टॉवर-दो के फ्लैट नंबर-205 में पिछले कई सालों से दुर्गेश प्रसाद अपनी पत्नी, बेटे एवं अपनी पुत्रवधू के साथ रह रहे थे। करोना महामारी के चलते 27 अप्रैल को उनका देहांत हो गया था। उसी समय उनके पुत्र अश्वनी और पत्नी निर्मला ग्रेटर नोएडा एक अस्पताल में भर्ती हुए थे। कुछ दिनों पश्चात ही चार मई को लगभग अश्वनी कुमार ने शारदा हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। इसी महामारी के चलते कुछ घंटे पश्चात पांच मई को संतोष कुमारी ने घर पर ही अंतिम सांस ली। दो दिन पश्चात निर्मला कुमारी पत्नी स्वर्गीय अश्वनी प्रसाद ने जो शारदा हो काफी लंबे से समय से शारदा हॉस्पिटल में भर्ती थी। इसी महामारी के चलते उन्होंने दो मई लड़ते-लड़ते शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि इनके दाह संस्कार के लिए 112 पर एंबुलेंस के लिए काफी फोन किया। लेकिन सरकार की ओर से एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं हुई, जिसके चलते बाहर से प्राइवेट एंबुलेंस को व्यवस्था कराकर उनका दाह संस्कार कराया गया।फिलहाल दो बच्चे हैं, जिनकी आयु छह वर्ष और दूसरे की लगभग आठ वर्ष है।

पीपल के पेड़ खोल रहे मौत के आंकड़ों की सच्चाई

मुरादाबाद। उफ...ये पेड़ भी रो रहा है- इसे परंपरा का घंट कहें या खतरे की घंटी जो पीपल के पेड़ में मोक्ष की आश से लटकाए गए हैं। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु के बाद दाह संस्कार करके मृतक की स्मृति में पीपल के पेड़ में एक घट बांधा जाता है। जिसमें प्रतिदिन मृतक की आत्मा को तिलांजिल और जल दिया जाता है। मुरादाबाद के लोकोशेड मोक्ष धाम के पास स्थित पीपल के पेड़ में भी इसी तरह के घंट बांधे जाते हैं। लेकिन क्रूर कोरोना काल में हो रही बेतहासा मौत के बाद ऐसा लग रहा है कि पीपल का पेड़ भी अब इन घटों का बोझ नहीं उठा पा रहा। पेड़ भी रो रहा है। यहां पीपल के पेड में शुक्रवार को 70 से अधिक घंटे बंधे मिले। वहां मौजूद देखरेख करने वाले सोनू ने बताया कि प्रतिदिन 20 से 25 घंटे फोड़े जाते हैं। कुछ लोग दस दिन पूर्ण होने पर और कुछ लोग तीन दिन में ये घंट फोड़ देते हैं। बीते करीब बीस दिन से आलम यह है कि पीपल के पेड़ में घंट लटकाने के लिए जगह नहीं बची है।

दो साल तक दोस्ती, शारीरिक संबंध..फिर ऐसा क्या हुआ कि महिला सिपाही ने साथी पर दर्ज कराया केस?

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना थाने में तैनात सिपाही के खिलाफ महिला सिपाही ने रेप करने का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक सिपाही अश्वनी प्रताप सिंह की उससे दोस्ती थी। आरोपी ने शादीशुदा होने के बाद भी महिला से जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद वह महिला सिपाही के साथ शादी करने का दावा करने लगा। यह सिलसिला दो साल तक चलता रहा। शादी के लिए दबाव बनाने पर अश्वनी उसके साथ मारपीट करता था। परेशान होकर पीड़िता ने आशियाना थाने में शिकायत की थी। मगर, उसकी सुनवाई नहीं हुई। थाने में ही तैनात एक सिपाही ने पीड़िता को मुकदमा दर्ज कराने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। 20 अप्रैल को महिला ने थाने पहुंच कर हंगामा किया था। जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए थे। रविवार को इस मामले में सिपाही अश्वनी प्रताप सिंह के खिलाफ रेप समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। डीसीपी महिला अपराध ने मामले की जांच एसीपी कैंट डॉ. अर्चना सिंह को सौंपी है।

कोरोना पॉजिटिव आजम खान की तबीयत स्थिर, लखनऊ मेदांता में चल रहा इलाज

लखनऊ। लखनऊ मेदान्ता हॉस्पिटल में भर्ती कोरोना संक्रमित सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री आजम खान की तबीयत स्थिर है। उनका ऑक्सीजन स्तर कुछ कम होने की वजह से ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। हॉस्पिटल की आठवीं मंजिल पर बने कोरोना वार्ड में क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों की टीम की निगरानी में उपचार चल रहा है। जबकि आजम के बेटे अब्दुल्लाह की सेहत ठीक है। सीतापुर जेल में बन्द आजम खान की तबीयत बिगड़ने पर वहां के प्रशासन ने उन्हें व उनके बेटे अब्दुल्लाह को रविवार की रात लखनऊ के मेदान्ता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक दोनों की हालत खतरे से बाहर है। मेदान्ता हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर बताते हैं कि सिटी स्कैन,एक्सरे व खून की कई जांच रिपोर्ट के आधार पर पूर्व मंत्री के फेफड़ों में संक्रमण मिला है। जिसका डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया है। मंत्री की तबीयत स्थिर है।

बाराबंकी में लाठी से पीट-पीटकर किसान की हत्या, आरोपी फरार

बाराबंकी। बाराबंकी में लोनी कटरा थाना क्षेत्र के बला खेड़ा गांव में रविवार की रात के खेत में सो रहे 2 किसानों पर गांव के ही कुछ लोगों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में एक किसान की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर घायल है। सूचना गांव पहुंची तो कोहराम मच गया। परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। वारदात का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी फरार हैं।

खेत की रखवाली करने गया था किसान- लोनी कटरा थाना क्षेत्र के गांव बला खेड़ा निवासी शंभू रावत (45) पुत्र काले अपने दोस्त गांव के ही रामप्रसाद के साथ रविवार की रात खेत की रखवाली करने गया था। दोनों खेत में सो रहे थे। इसी बीच कुछ लोगों ने सो रहे शंभू व रामप्रसाद पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी से ताबड़तोड़ कई वार किए जिससे शंभू रावत की मौत हो गई। पिटाई में रामप्रसाद गंभीर घायल हो गया।हमलावर ने शंभू और रामप्रसाद को मरा हुआ समझकर चले गए।

होश आने पर खून से लथपथ रामप्रसाद भागकर गांव पहुंचा और लोगों को घटना की सूचना दी। घटना की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। शंभू की मौत हो चुकी थी। घायल रामप्रसाद को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों ने की घटनास्थल की जांच: सोमवार की सुबह परिजनों व ग्रामीणों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। हमले में किसान की मौत की सूचना से पुलिस में भी हड़कंप मचा गया। आनन फानन थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। सीओ हैदरगढ़ नवीन सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और मौके की जांच की।

4 लोगों पर हत्या का मुकदमा: मृतक शंभू रावत की पत्नी मायका ने पुलिस को हत्या की तहरीर दी। जिसमें उसने गांव के ही विशेश्वर, देशराज, सुखदेव और सुरेश को आरोपी बनाया है। वारदात का कारण पुरानी रंजिश को बताया जा रहा है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी फरार हैं, पुलिस उनकी तलाश में लगी हैं।

सरयू नदी में डूबे किशोर की उतराई मिली लाश, परिजनों में मचा कोहराम

बहराइच। सरयू नदी पार कर आ रहे किशोर का पांव गहरे पानी में फिसल जाने से डूब कर लापता हो गया। उसकी तलाश में तैराक उतरे थे किन्तु अंधेरा बढ़ने पर मुहिम रोक दी गई थी । सोमवार को सुबह उसकी लाश नदी में उतराती मिली। तैराकों ने लाश नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खैरीघाट थाने के चौकसाहार के मजरे गंगा सिंह बेली निवासी 16 वर्षीय प्रमोद कुमार निषाद पुत्र घूरे निषाद नदी पार से रविवार शाम खाद्यान्न लेकर इस पार आ रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक जिस समय वह उस पार गया था। तब नदी का जल स्तर कम था। शाम को जब वह खाद्यान्न लेकर गांव आ रहा था। उस दौरान जल स्तर बढ़ गया। बढ़े जलस्तर के कारण वह गलत दिशा में नदी पार करने लगा। इस दौरान पैर गहराई में चले जाने से वह डूब गया। उसे डूबते देखकर लोगों ने शोर मचाया। पुलिस को सूचना दी गई। आसपास के तैराकों को नदी में उतारा गया। काफी मशक्कत के बावजूद रविवार देर शाम तक उसकी तलाश होती रही। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अशोक कुमार, दरोगा दिग्विजय नाथ दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अंधेरा हो जाने पर खोज कार्य रोक दिया गया। सोमवार सुबह लगभग 7 बजे तैराक तलाश अभियान में नदी में उतरने वाले ही थे। तभी उसकी लाश नदी में उतराती दिखाई पड़ी । तैराकों ने कड़ी मशक्कत कर शव को नदी से बाहर निकाला। शव निकालते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। दरोगा दुबे ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मछली बंटवारे को लेकर चले ईंट पत्थर, आधा दर्जन लोग घायल

अमेठी। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के नगर में धोबी घाट पर सोमवार की सुबह मछली बंटवारे को लेकर जमकर ईंट, गुम्मा व लाठियां चटकीं। घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों का नगर के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया गया।

सोमवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के धोबी घाट पर ईंट-पत्थर चले साथ ही जमकर लाठियां चटकी। मामला एक समुदाय के दर्जन भर लोग धोबी घाट पर एक तालाब में मछली पाले हुए थे। सोमवार की सुबह मछली बंटवारे को लेकर विवाद खड़ा हो गया। बात बिगड़ने पर आपस में ही ईंट पत्थर चलने लगे। देखते देखते कुछ ही देर में लाठियां चटकने लगी। घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज नगर के एक निजी नर्सिंग होम में कराया गया। मामले में दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समझौता कर लिया है। प्रभारी कोतवाली अवनीश कुमार चौहान ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही पुलिस घटना स्थल पर गई थी। सभी ने आपसी समझौता कर लिया था किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही नहीं चाहते थे।

हाईटेंशन लाइन से सरिया छूते ही लगा करंट, दो मजदूरों की मौत

बहराइच। बहराइच में रामगांव इलाके के बढ़ईया गांव में निर्माणाधीन भवन की छत पर जाल बांधने के दौरान सरिया हाईटेंशन लाइन से छू गई। करंट लगने से 3 श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। बिजली आपूर्ति कटवा कर तीनों झुलसे श्रमिकों को मेडिकल कालेज ले जाने पर चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक झुलसे श्रमिक का इलाज चल रहा है। रामगांव थाने के गोड़वा गांव में दीपक पुत्र ज्ञानचंद का भवन निर्माण हो रहा है। सोमवार को सुबह 9 से 10 बजे के बीच छत ढालने को जाल बिछाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक सरिया छत के पास से होकर निकली हाईटेंशन लाइन से छू गई। करंट लगने से श्रमिक रामगांव थाने के मोगरिहा के मजरे बढ़ईया निवासी 36 वर्षीय परशुराम पुत्र सांवली प्रसाद, 35 वर्षीय लाड़ली प्रसाद पुत्र मुंशी लाल व 30 वर्षीय पांचू खां पुत्र पुत्तन खां गंभीर रूप से झुलसने लगे। जिससे अफरा तफरी फैल गई। आनन फानन में बिजली आपूर्ति कटवाई गई। तीनों झुलसे श्रमिको को मेडिकल कालेज लाया गया। जहां चिकित्सकों ने परशुराम व लाडली प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। जबकि पांचू को भर्ती कर लिया गया है। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार ने बताया कि मृतक परशुराम के भाई नितेश की तहरीर पर फौरी सूचना दर्ज की गई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्पा सेंटर पर बुलाई जाती थी युवती, सलमान अदा करता था मुख्य भूमिका

लखनऊ। लखनऊ में कोरोना से हुई थाईलैंड युवती की मौत में नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पता चला है कि युवती को थाईलैंड से स्पा सेंटर में काम करने के लिए बुलाया जाता था। लखनऊ के एक स्पा सेंटर पर वह सेवाएं देती थी। कोरोना से मरने वाली युवती को भारत लाने में उसका सहयोग सलमान मुख्य भूमिका अदा करता था। इसके बाद पुलिस सलमान को विभूतिखंड थाने में लेकर आई, यहां उससे तीन घंटे तक पूछताछ हुई। सलमान ने खुद को निर्दोष बताते हुए वीडियो वायरल किया था। उसने पुलिस को बताया कि कुछ लोग बेवजह तूल दे रहे हैं। रायपुर निवासी राकेश शर्मा के कहने पर वह मदद करने आया था। डीसीपी संजीव, एडीसीपी कासिम व इंस्पेक्टर चन्द्रशेखर ने सलमान के पूर बयान की रिकार्डिंग भी करायी है। पुलिस ने राकेश शर्मा से भी मोबाइल पर पूछताछ की है। वहीं कुछ लोगों ने एलआईयू की भूमिका पर भी सवाल उठाये हैं। हालांकि पुलिस की जांच अभी जारी है। आपको बता दें कि थाई युवती की 28 अप्रैल को तबियत खराब हो गई थी और उसे दूतावास से सम्पर्क करने के बाद राम मनोहर लोहिया अस्तपाल में भर्ती करा दिया गया था। यहां पता चला था कि वह कोरोना संक्रमित हैं। इसके बाद उसे कोविड अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। ऑक्सीजन स्तर

लगातार गिरने से तीन मई को उसकी मौत हो गई। इसके बाद जिला प्रशासन ने थाईलैंड दूतावास से सम्पर्क किया और पूरी जानकारी दी। वहां से अनुमति मिलने के बाद पांच मई को युवती का अंतिम संस्कार बैकुंठ धाम में कर दिया गया।

पांच दिन बाद मामले ने तूल पकड़ा- सोशल मीडिया पर आठ मई को यह मामला तूल पकड़ गया। इसको लेकर कई तरह की चर्चायें होने लगी। हालांकि शनिवार को पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने कहा था कि उन तक किसी ने कोई शिकायत नहीं की और इसमें कोई एफआईआर भी नहीं है। रविवार को जब यह मामल और ज्यादा तूल पकड़ गया तो पुलिस कमिश्नर ने इसकी जांच के आदेश दे दिये।

संजय सेठ ने बदनाम करने वालों पर एफआईआर के लिये दी तहरीर- राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने सोशल मीडिया पर कई तरह की आपत्तिजनक बातें लिखकर उनकी व परिवार की प्रतिष्ठा को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को रविवार को पत्र लिखकर इस पूरे प्रकरण की जांच कर तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग की है। साथ ही सपा नेता आईपी सिंह व महेन्द्र कुड़िया समेत टिवटर व अन्य सोशल मीडिया पर उनके परिवार को बदनाम करने वालों के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई करने के लिये कहा है।

सरयू नदी में डूबे किशोर की उतराई मिली लाश, परिजनों में मचा कोहराम

बहराइच। सरयू नदी पार कर आ रहे किशोर का पांव गहरे पानी में फिसल जाने से डूब कर लापता हो गया। उसकी तलाश में तैराक उतरे थे किन्तु अंधेरा बढ़ने पर मुहिम रोक दी गई थी । सोमवार को सुबह उसकी लाश नदी में उतराती मिली। तैराकों ने लाश नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खैरीघाट थाने के चौकसाहार के मजरे गंगा सिंह बेली निवासी 16 वर्षीय प्रमोद कुमार निषाद पुत्र घूरे निषाद नदी पार से रविवार शाम खाद्यान्न लेकर इस पार आ रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक जिस समय वह उस पार गया था। तब नदी का जल स्तर कम था। शाम को जब वह खाद्यान्न लेकर गांव आ रहा था। उस दौरान जल स्तर बढ़ गया। बढ़े जलस्तर के कारण वह गलत दिशा में नदी पार करने लगा। इस दौरान पैर गहराई में चले जाने से वह डूब गया। उसे डूबते देखकर लोगों ने शोर मचाया। पुलिस को सूचना दी गई। आसपास के तैराकों को नदी में उतारा गया। काफी मशक्कत के बावजूद रविवार देर शाम तक उसकी तलाश होती रही। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अशोक कुमार, दरोगा दिग्विजय नाथ दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अंधेरा हो जाने पर खोज कार्य रोक दिया गया। सोमवार सुबह लगभग 7 बजे तैराक तलाश अभियान में नदी में उतरने वाले ही थे। तभी उसकी लाश नदी में उतराती दिखाई पड़ी। तैराकों ने कड़ी मशक्कत कर शव को नदी से बाहर निकाला। शव निकालते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। दरोगा दुबे ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोरोना पीड़ितों के लिए देवदूत बना यह व्यक्ति, हजारों परिवार को पहुंचा रहा खाना

बहराइच। भूख लगते ही जब हमें भोजन मिल जाता है, तो हमे पता नहीं चलता कि भूख की तड़प क्या होती है। भूख का अहसास वही कर सकता है, जो वास्तव में भूखा हो, और उसके आस- पास खाने योग्य कुछ भी न हो। ऐसे में सूखी रोटी का एक निवाला भी उसे 56 भोग से भी अधिक स्वादिष्ट लगता है। भूखे के लिए उस निवाले के सामने हीरे जवाहरात भी मूल्यहीन लगने लगते हैं, वह है असली भूख। जो शब्दों से इतर है, और उसका सिर्फ अनुभव किया जा सकता है, पर शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। बहराइच के संदीप मित्तल ने उस भूख के उस तड़प को महसूस किया है, यही वजह है कि वह किसी को भूख से तड़पता नहीं देख सकते।

इस भयावह कोरोना काल में जब अपने भी अपने नहीं रहे। पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते टूटते नजर आ रहे हैं। बीमारी लगने के भय से लोग अपनों से दूर हो रहे हैं। अस्पतालों में मर रहे माता- पिता के पार्थिव शरीर को बेटे व अन्य परिजन लेने नहीं जा रहे। माता- पिता अपने दुधमुहे बच्चे को कोरोना होने पर अस्पताल में छोड़ आते हैं, जिसका सरकारी तन्त्र को लावारिस में अन्तिम संस्कार कराना पड़ रहा है। ऐसे विकराल समय में एक व्यक्ति ऐसा भी है, जो खुद को बीमारी लगने की परवाह छोड़ कर दिन रात एक कर कोरोना मरीजों और उनके तीमारदारों की सेवा करने में तल्लीन है। वह खुद कोरोना गाइड लाइन का पालन तो कर रहे हैं, पर बीमारी होने के भय से वह बीमारों से नफरत नहीं करते। यदि किसी का परिवार कोरोना संक्रमण से जूझ रहा है। उसके घर पर खाने की कोई व्यवस्था नहीं हो पा रही है। संक्रमण काल में भूखे सो रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। कोरोना संकट से लड़ रहे ऐसे लोगों के लिए शहर के निवासी संदीप मित्तल अपने साथियों के साथ देवदूत बनकर आए हैं, जो संकट की इस घड़ी में जरूरत मंद लोगों के घरों पर मुफ्त में पौष्टिक भोजन पहुंचा रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर सुनामी बनकर आई है। देश व प्रदेश के साथ ही जिले के लोगों की भी इस बीमारी से मौतें हो रही हैं। ऐसे कोरोना पीड़ित जिनके पास इलाज कराने का भी पैसा नहीं है, वह पौष्टिक भोजन के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हरिशंकर मित्तल चैरेटिबिल ट्रस्ट हारे का सहारा अन्न रथ की ओर से कोरोना संक्रमितों को निशुल्क भोजन

उपलब्ध करवाया जा रहा है। संकट की इस घड़ी में जब जनप्रतिनिधि, तमाम डाक्टर और एनजीओ आइसोलेट हैं, ऐसे समय में अन्न रथ की टीम अपनी जान की परवाह किए बिना जरूरतमंदों को दोनों समय निशुल्क भोजन उपलब्ध करवा रहा है।

लखनऊ में भी पीड़ितों को मुफ्त भोजन पहुंचा रहा अन्नरथ- बहराइच के साथ ही लखनऊ में भी अन्न रथ की शुरुआत की गई है। बहराइच का कोई भी कोरोना पीड़ित यदि लखनऊ में भर्ती है, तो वह इस सेवा का लाभ उठा सकता है। वर्तमान में लखनऊ में प्रतिदिन 22 से 25 परिवारों को इस सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी अन्न रथ सुबह-शाम दो बार जरूरतमन्दों को भोजन मुहैया करवा रहा है। इस कार्य में लहंगा बैंक की संस्थापिका अंशिका मित्तल पूरे मनोयोग से जुटी हुई हैं। जो स्वयं सुबह उठकर पौष्टिक भोजन तैयार करने में जुट जाती हैं। अपने हाथों से भोजन तैयार करके वह बेहतर ढंग से पैकिंग करती हैं, जिससे पौष्टिक भोजन जरूरतमंद तक सुरक्षित पहुंच सके।

डीएम भी कर चुके हैं उनके कार्यों की सराहना- जिले में तीन वर्षों से अन्न रथ जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों व जरूरतमंदों की भूख शांत कर रहा है। जिला अस्पताल गेट के बाहर शाम को अन्न रथ मरीज, तीमारदार व अन्य लोगों को जरूरत के मुताबिक पांच रुपए में भोजन उपलब्ध करवा रहा है। अन्न रथ ने पिछले वर्ष भी कोरोना संकट के दौरान महानगरों से लौट रहे भूखे प्यासे प्रवासी कामगारों की खुलकर मदद की थी। उनके ठहरने के स्थान तक उन्हें पौष्टिक भोजन का पैकेट पहुंचाया था। जरूरतमंदों की निस्स्वार्थ भावना से सेवा कराने के लिए डीएम शम्भु कुमार भी ट्रस्ट के सदस्यों की प्रशंसा कर चुके हैं।

समाज के लोगों से मिलता है सहयोग- बहराइच। कोरोना पीड़ितों को घर-घर भोजन पहुंचाना अपने आप में एक अनूठा कार्य है। इस कार्य में समाज के लोग भी बढ़ चढ़ कर मदद कर रहे हैं। लोग अपने जन्मदिन, मैरिज एनीवर्सरी व अन्य अवसर पर अन्न रथ से जरूरतमन्दों को भोजन पहुंचाकर पुण्य कमाते हैं। अन्न रथ ने अपना फ़ोन नंबर जारी किया है, जिस पर कालकर कोई भी जरूरतमंद घर बैठे निःशुल्क भोजन मंगवा सकता है। सुबह भोजन के लिए 11 बजे तक तथा शाम 5 बजे तक 9415178963 व 9670665447 पर सूचना दे सकता है। जिससे समय से उनके घर तक भोजन पहुंच सके।

बड़े सौभाग्य से मिलती जरूरतमंदों की सेवा- अमित मित्तल- हारे का सहारा अन्न रथ के अध्यक्ष अमित मित्तल का कहना है बड़े सौभाग्य की बात है, जो उन्हें जरूरतमंदों की सेवा का अवसर मिल रहा है। उन्होंने अपनी टीम के साथ इस कार्य को लखनऊ में भी शुरू किया है। अन्न रथ के सचिव संदीप मित्तल पूरी लगन व तन्मयता के साथ इस कार्य में लगे हुए हैं। संदीप का कहना है कि जो परिवार इस संकट काल से जूझ रहा हो, वह उनसे सम्पर्क कर सकता है। उन्हें घर तक निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संकट काल में हमें डरना नहीं है, क्योंकि डर के आगे जीत है। कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी वह सुबह शाम अन्न रथ के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष संजीव जैन ने इस कार्य को सेवा का धर्म बताया। कहा कि हम सभी को मिलकर इस संकट को दूर करना है। यह एक कठिन दौर है, यह भी चला जाएगा। इन सबके बीच अन्न रथ जरूरत मन्दों को भोजन पहुंचाता रहेगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने विदिशा में महारानी लक्ष्मीबाई हाई सेकेंडरी स्कूल के कोविड सहायता केन्द्र का अवलोकन कर मरीजों को दी जाने वाले इव...

वैद्य आपके द्वार योजना' के जरिये घर बैठे निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

भोपाल। आयुष विभाग द्वारा शुरू की गई वैद्य आपके द्वार योजना के जरिये घर बैठे निःशुल्क आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ से लाइव वीडियों कॉल द्वारा चिकित्सा परामर्श लिया जा सकता है। योजना में आयुष की तीनों विधाओं आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी का लाभ लिया जा सकता है। नागरिक एन्ड्राइड फोन में गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे ने इस योजना का 7 मई को वर्चुअल शुभारंभ किया था। आयुष विभाग ने सामान्य जन को आयुष स्वास्थ्य सेवा सहजता से घर पर ही सुलभ कराने के उददेश्य से इस योजना को टेलीमेडिसिन एप के माध्यम से उपलब्ध कराया है। आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग का समन्वय रूप टेलीमेडिसिन है। इसके अंतर्गत विशेष रूप से तैयार किये गये एप %आयुष क्योर% का रोगी तथा चिकित्सक दोनों उपयोग कर सकेंगे। इसके द्वारा रोगी सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से चिकित्सक से परामर्श प्राप्त कर

आयुष क्योर एप के माध्यम से लाइव वीडियों कॉल पर डॉक्टर्स से होगी चर्चा

सकेंगें। चिकित्सक द्वारा बताये गये आवश्यकता होने पर विभिन्न जाँचों को कराकर अपलोड भी कर सकेंगे। इसके आधार पर चिकित्सक परामर्श दे सकेंगे। अधिक आवश्यक होने पर ही चिकित्सक चिकित्सालय में रोगी को बुलायेगें।

उपयोग का तरीका–आयुष क्योर एन्ड्राइड पर आधारित एक एप है। यह गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। मोबाइल नम्बर द्वारा पंजीयन/साइन अप तथा ओ.टी.पी. के माध्यम से सत्यापन होने के बाद आयुष चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी के अनुसार चिकित्सक तथा समय चुनकर अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगें। चुने गये चिकित्सक द्वारा निर्धारित समयानुसार ही एप के माध्यम से वीडियों कॉल कर चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा एवं परामर्श पत्र प्रेषित किया जा सकेगा। आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं को आसानी से दूर दराज तक रहने वाले लोगों तक पहुँचाने एवं चिकित्सालय में न पहुँच पाने वाले रोगियों के लिये यह सुविधा कोरोना संकट काल में वरदान साबित होगी।

क, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय वार्ड में संकट प्रबंधन समूह गठन के निर्देश

एसीएस गृह ने कलेक्टर्स को लिखा पत्र

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जाये। जिला स्तर पर पूर्व में ही जिला संकट प्रबंधन समूह गठित है और उनके द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिये सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजोरा ने कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों के गठन के निर्देश दिये हैं। इन समूहों द्वारा ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय वार्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न आपात स्थिति के नियंत्रण के लिये राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन और कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिये सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जायेगी।

विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह–डॉ. राजोरा ने बताया कि विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष होंगे। इस समूह में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, विकासखण्ड मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के आयुक्त के प्रतिनिधि अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, प्रोजेक्ट ऑफिसर महिला एवं बाल विकास विभाग, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, कलेक्टर द्वारा नामांकित विकासखण्ड के जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवी संगठन सदस्य होंगे।

ग्राम संकट प्रबंधन समूह–डॉ. राजोरा ने कहा कि प्रत्येक गाँव में ग्राम संकट प्रबंधन समूह का गठन किया जाये। ग्राम संकट प्रबंधन के समूह के अध्यक्ष ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष होंगे। ग्राम पंचायत के सचिव, जन अभियान परिषद, महिला स्व-सहायता समूह, राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता, प्रशासनिक समिति के संबंधित ग्राम में निवासरत सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी सहायिका और ग्राम के कोटवार/पटेल समूह के सदस्य होंगे।

नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह–नगरीय क्षेत्रों में वार्ड वार संकट प्रबंधन समूह के गठन के निर्देश दिये गए हैं। डॉ. राजोरा ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह में वार्ड प्रभारी अधिकारी अध्यक्ष होंगे। क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, नगर निगम आयुक्त / मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नामांकित जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, वार्ड के प्रतिष्ठित निजी चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठन, जन अभियान परिषद, राजनैतिक एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता महिला स्व-सहायता समूह सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजोरा ने बताया कि ब्लॉक संकट प्रबंधन समूह के आदेश जिला कलेक्टर, नगरीय वार्ड संकट प्रबंधन समूह के आदेश सम्बन्धित आयुक्त नगर निगम / मुख्य नगर पालिका अधिकारी और ग्राम संकट प्रबंधन समूह के आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा जारी किए जायेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त समूहों की माह में कम से कम एक बैठक हो। उनके द्वारा सतत इन समूहों के कार्य की समीक्षा भी सुनिश्चित की जायेगी। श्री राजोरा ने बताया कि पूर्व में ब्लॉक, वार्ड और ग्राम स्तर पर गठित संकट प्रबंधन समूह इस आदेश से गठित समूहों में समाहित होंगें।

अभी तक 2 लाख 19 हजार 653 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 19 हजार 653 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी है। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 9 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 19 हजार 653 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253 , 2मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301 , 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866 , 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746 और 9 मई को 7 हजार 450 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डॉक्टर्स, नर्सेस व पैरामेडिकल स्टॉफ से किया वर्चुअल संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल व अन्य हॉस्पिटल जो कोविड का इलाज कर रहे हैं उनके संचालकों से वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से चर्चा की। इस दौरान सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, विधायक श्री अजय विश्नोई, कमिश्नर श्री बी. चंद्रशेखर, आईजी श्री बीएस चौहान, कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ बहुगुणा और नर्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र जामदार उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी डॉक्टर्स, नर्सेस व पैरामेडिकल स्टॉफ से कहा कि मैं आपके संस्कारधानी में आया हूँ। आप परिश्रम, समर्पण और मेहनत से कोविड महामारी से लड़ रहे हैं। आप असली कोविड योद्धा हैं। संक्रमण के खिलाफ दिन-रात युद्ध कर रहे हैं। कई लोग कई दिनों से अपने परिवार से नहीं मिले हैं। महामारी के खिलाफ आपका योगदान अभिनंदनीय है। आपके बिना यह लड़ाई जीती नहीं जा सकती। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी मिलकर इस लड़ाई को लड़ें। दूसरी लहर के खिलाफ लड़ते हुये, आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा देने में सफल रहे हैं। इसके फलस्वरूप व्यवस्थायें धीरे-धीरे बेहतर हुई है। जबलपुर को 17-18 जिलों के मरीजों का भार भी वहन करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इलाज निःशुल्क हो, इस दिशा में कार्य करें। इसके लिये कुछ अनुबंधित अस्पताल भी हैं, इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना में गरीबों का निःशुल्क इलाज करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा की वैक्सीन को लेकर जो भ्रम है, उसे समाप्त कर लोगों को जागरूक करें। जो संक्रमित हैं उन्हें होम आइसोलेट करें और होम आइसोलेशन वालों को कोविड कमांड सेंटर से फोन के माध्यम से नियमित तौर पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह दें। इसके साथ ही उन्होंने ब्लैक फंगस जैसे आँख की बीमारी के संबंध में कहा कि इसमें कौन सी दवाई कारगर है, विशेषज्ञ और चिकित्सक इस बारे विचार करें और सुझाव दें। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर और भारत सरकार भी इस संबंध में राज्य शासन के संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड के खिलाफ लड़ाई लंबी हो सकती है। तीसरी लहर भी आ सकती है, अतः सभी चिकित्सक और इससे जुड़े लोग आवश्यक तैयारी कर लें। वीडियो कॉफ्रेंसिंग में डॉ. राजेश धीरावाणी, डॉ. पवन स्थापक और डॉ. जितेन्द्र भार्गव आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आयुष्मान एवं सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाई–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जबलपुर शहर के माढ़ोताल क्षेत्र में निर्मित 500 बिस्तरों की क्षमता वाले अस्थाई कोविड केयर सेंटर के निरीक्षण उपरांत 6 आयुष्मान व सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। इस दौरान सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, सांसद श्री राकेश सिंह, विधायक श्री सुशील इंदु तिवारी, श्री अशोक रोहाणी, श्रीमती नंदिनी मरावी सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, अधिकारी व चिकित्सक उपस्थित थे।

गाँवों को कोरोना मुक्त करने चलायें अभियानः श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गाँवों को कोरोना के संक्रमण से मुक्त करने अभियान चलाने की जरूरत बताते हुए कहा है कि विधायकों की अगुवाई में गठित विधानसभा स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी अपने क्षेत्र के गाँवों को संक्रमण मुक्त बनाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य करें और ग्राम स्तरीय आपदा प्रबंधन समितियों का भी मार्गदर्शन करे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँवों को कोरोना मुक्त करने की जिम्मेदारी स्थानीय जन-प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को लेनी होगी तथा उन्हें किल कोरोना अभियान के तहत डोर-टू-डोर सर्वे में लगे शासकीय अमले को कोरोना संदिग्धों की पहचान करने में सहयोग करना होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जबलपुर में जिले के ग्रामीण क्षेत्र में विधायकों के नेतृत्व में गठित विधानसभावार आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया, सांसद श्री राकेश सिंह, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्रीमती नंदिनी मरावी, श्री सुशील तिवारी इंदू एवं श्री संजय यादव भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप जबलपुर जिले के कई गाँव कोरोना से अछूते रहे हैं। उन्होंने इसके लिए गांवों के लोगों में आई जागरूकता को भी श्रेय दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उन गाँवों को भी कोरोना के संक्रमण से मुक्त करने की रणनीति बनाने की जरूरत बताई, जहां कोरोना के प्रकरण अभी भी सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कोरोना की संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए फिजिकल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने को अनिवार्य बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति इन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के विरूद्ध जंग में शासन के द्वारा तय की गई रणनीति पर सख्ती से अमल करना होगा। उन्होंने कहा कि गाँवों में संक्रमण को रोकने विधानसभावार और ग्रामवार गठित आपदा प्रबंधन समितियां अपने स्तर पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्णय ले सकती हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले के उन गाँवों की भी तारीफ की जहाँ स्थानीय निवासियों द्वारा स्वप्रेरणा से कोरोना कर्फ्यू लगाया गया और आवागमन को प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने ली ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभावार, गठित आपदा प्रबंधन समिति की बैठक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीन लगाने के कार्य में हुई प्रगति का ब्यौरा भी बैठक में लिया। उन्होंने कोरोना वैक्सीन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में फैली भ्रांतियों को दूर करने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लोगों को यह बताया जाये कि वैक्सीन ही कोरोना से सुरक्षा का एकमात्र उपचार है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन गांवों में कोरोना के मरीज अधिक मिल रहे हैं, वहां मनरेगा के कार्य एक सप्ताह के लिए स्थगित भी किये जा सकते हैं। उन्होंने गाँवों में मिलने वाले कोरोना संक्रमितों को समीप के कोविड केयर सेंटर तथा कोरोना संदिग्धों को गाँव में बनाये गये क्वारेंटाईन सेंटर पहुँचाने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीण क्षेत्र में विधानसभावार गठित आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में कोरोना से लड़ने हेतु सभी से एकजुट होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि इस संकट की स्थिति में सभी को मिलजुलकर लड़ना है। यदि हम गाँवों को कोरोना से मुक्त कर सके तो जबलपुर जिला भी जल्दी ही कोरोना से मुक्त होगा। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में जबलपुर शहर और जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के प्रकरणों में आई कमी पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही आगाह भी किया कि यदि हम लापरवाह या असावधान रहे तो कोरोना का यह संकट हमें फिर से परेशान कर सकता है। बैठक में संभागायुक्त श्री बी चंद्रशेखर, आईजी पुलिस श्री बी.एस. चौहान, कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ बहुगुणा, जिला पंचायत सीईओ सुश्री रिजु बाफना, अपर कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित एवं श्री राजेश बाथम, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप जीआर, डॉ. जीतेन्द्र जामदार, श्री रानू तिवारी, श्री शशिकांत सोनी भी मौजूद थे। वही जनपद पंचायत स्तर के अधिकारी व्हीसी के माध्यम से इस बैठक से जुड़े थे।

आयुष्मान योजना का लाभ दिलाना करें सुनिश्चितः मंत्री श्री पटेल

बैतूल जिले को 30 मई तक कोरोना मुक्त करने का दिलाया संकल्प

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने सोमवार को बैतूल जिले में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की । उन्होंने निर्देशित किया कि कोरोना संक्रमित मरीजों को आयुष्मान कार्ड का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। श्री पटेल ने बैतूल जिले को 30 मई तक कोरोना से मुक्त कराने का संकल्प अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधियों को दिलाया। उन्होंने जिले की पंचायतवार समीक्षा भी की । श्री पटेल ने जिले की आमला, बैतूल, मुलताई, भैंसदेहि, शाहपुर, घोडाडोंगरी, भीमपुर, चिचोली, आठनेर और प्रभातपट्टन जनपदों के सीईओ से सीधा संवाद कर ग्राम पंचायत स्तर पर हर गाँव की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने गांव में घर-घर सर्वे , मरीजों की संख्या, मेडिकल किट के वितरण पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। श्री पटेल ने जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि सर्वे के साथ सटीक जानकारी प्राप्त करें ताकि उपचार में किसी प्रकार का न विलंब हो और न ही मरीजों को परेशानी हो। श्री पटेल ने बैतूल जिले की 496 ग्राम पंचायतों के 1457 ग्रामो में सबसे ज्यादा प्रभावित ग्रामो के लिए एक्शन प्लान बनाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। श्री पटेल ने कलेक्टर को कोविड इम्पेनल्ड प्राइवेट अस्पतालों में निःशुल्क और अन्य निजी अस्पतालों में इलाज की सरकारी दरों का ठीक से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। उन्होंने कहाँ कि आयुष्मान कार्ड का लाभ पात्र मरीजों को हर हाल में दिलाना सुनिश्चित किया जाए। योजना के अंतर्गत कितनी प्रकार की लापरवाही न हो इसका विशेष तौर से ध्यान रखा जाए।

प्रदेश में 10 हजार प्रतिदिन के नीचे आया कोरोना संक्रमण

किल कोरोना अभियान एवं कोरोना कर्फ्यू के माध्यम से कोरोना को करें पूरी तरह नियंत्रित, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना नियंत्रण कोर ग्रुप सदस्यों से चर्चा की तथा कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण लगातार कम हो रहा है। आज कोरोना के नए प्रकरण 10 हजार के नीचे आ गए हैं। प्रदेश में आज के नए प्रकरण 9,715 है, कोरोना वृद्धि दर 1.8त्न है तथा पॉजिटिविटी रेट 15.8त्न हो गई है। साप्ताहिक वृद्धि दर में भी कमी आयी है, यह 17.8त्न हो गई है। आज कोरोना के 7,324 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं। कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 1 लाख 11 हजार 223 है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें गाँव-गाँव तथा शहर-शहर में व्यापक रूप से जन-सहयोग से किल कोरोना अभियान चलाकर तथा कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कर, एक ओर कोरोना के संक्रमण की चेन को पूरी तरह से तोड़ देना है, वहीं प्रारंभिक स्थिति में ही हर मरीज की पहचान कर तथा उसे दवाएँ देकर स्वस्थ करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोनानियंत्रण कोर ग्रुप के सदस्यों से चर्चा की तथा प्रदेश के जिलों में कोरोना कीस्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में कोर ग्रुप के सदस्य, मंत्री, अधिकारी, जिलों के प्रभारी मंत्री और अधिकारी उपस्थित थे।

26 हजार 224 मरीजों को निःशुल्क इलाज–प्रदेश में 26 हजार 224 कोरोना मरीजों को निःशुल्क उपचार दिलवाया जा रहा है। इनमें से 22 हजार 237 सरकारी अस्पतालों में, 3066 अनुबंधित अस्पतालों में तथा 921 आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संबद्ध अस्पतालों में भर्ती हैं।

नकली रेमडेसिविर बेचने पर 18 के विरूद्ध कार्रवाई–नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने पर आज 18 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। इंदौर में 10 व्यक्तियों, उज्जैन में 2 व्यक्तियों तथा जबलपुर में 6

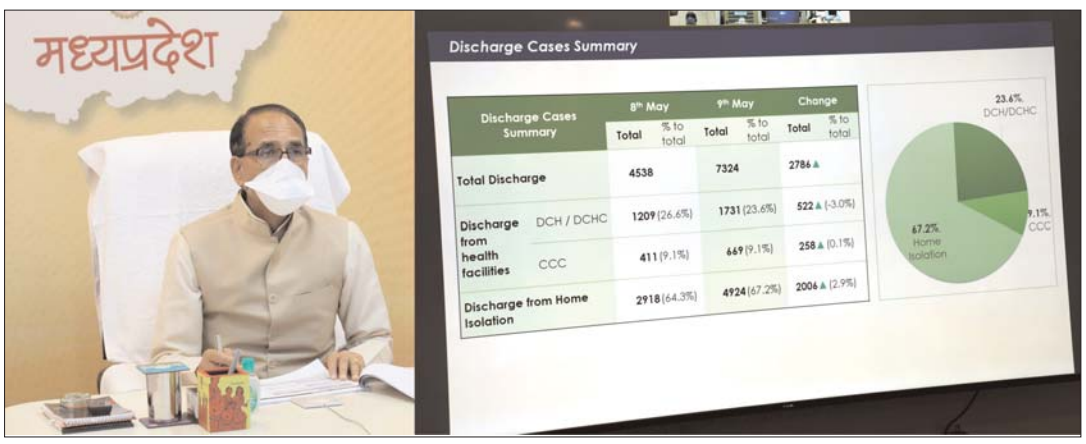

व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि सभी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जाए।

फंगल इंफैक्शन पर भी ध्यान दें–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि कुछ कोरोना मरीजों में हो रहे फंगल इंफैक्शन पर भी ध्यान दिया जाए। भारत सरकार द्वारा इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है, फंगल इंफैक्शन के इलाज के लिए उसे फॉलो किया जाए।

होम आइसोलेशन के मरीजों पर पूरा ध्यान दें–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन के मरीजों का पूरा ध्यान रखा जाए। निःशुल्क मेडिकल किट के साथ रोज डॉक्टर की सलाह दी जाए। प्रतिदिन फोन से बात की जाए। कोई भी परेशानी होने पर 1075 नंबर पर कॉल किया जा सकता है।

ऑक्सीजन की पूरी टीम को बधाई–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में ऑक्सीजन आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था के लिए पूरी टीम को बधाई दी। प्रदेश में आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन रोज प्राप्त हो रही है तथा सभी जिलों को उपलब्ध हो रही है। कल प्रदेश में भारत सरकार के 583 एम.टी. ऑक्सीजन के कोटे के विरूद्ध 515 एम.टी. ऑक्सीजन प्राप्त हुई। इसके अलावा लगभग 100 एम.टी. ऑक्सीजन प्रदेश में उपलब्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में ऑक्सीजन संयंत्र निर्माण तथा पाइप लाइन के काम को गति देने के निर्देश दिए।

ग्वालियर जिला विशेष ध्यान दें–जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि ग्वालियर जिले की कोरोना ग्रोथ रेट 2.2त्न तथा 7 दिन की औसत पॉजिटिविटी रेट 24.3त्न है, जबकि प्रदेश में अन्य जिलों में संक्रमण कम हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। शिवपुरी एवं दतिया जिलों को भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। शिवपुरी की कोरोना ग्रोथ रेट 3.1त्न तथा 7 दिन की औसत पॉजिटिविटी 25.8त्न है। वहीं दतिया की ग्रोथ रेट 2त्न तथा 7 दिन की पॉजिटिविटी 17.8त्न है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

बच्चों ने कैनवास पर माँ ममता उकेरी परिवार ने भी माँ के साथ सेलिब्रेट किया

ग्वालियर- जैन मिलन महिला महानगर के तत्वाधान में सोमवार को मदर्स डे कुछ बच्चों के लिए एवं मां के लिए प्रतियोगिता अपने अपने घरों में कोरोना महामारी को देखते हुए आयोजित की गई। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में बच्चों ने मां के प्रति प्यार और मां ने परिवार के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए हमारे पास अपने फोटो प्रेषित करने के साथ बहुत ही उत्साह पूर्वक मदर डे सेलिब्रेट किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले संस्था के सभी मेम्बरों ने मांओं के साथ सेलिब्रेट के वीडियो फोटो की सेल्पी भेजी। बच्चों के द्वारा मां के लिए बनाए गए कार्ड कैनवास पर माँ ममता उकेरी। संस्था की अध्यक्ष रेनू पटानी, सचिव दीपिका जैन ने प्रतियोगितओ के निर्णय लेकर पुरुस्कार की घोषण की। सचालन अध्यक्ष रेनू जैन व आभार ममता पंड्या ने किया।

प्रतियोगिता में इन्होंने भाग लिया-प्रतियोगिता में इंदु जी बोहरा, तेज कुमारी सोनी, रितु पटानी, रेखा कासलीवाल, अनीता जैन, संगीता कागदी, अंजू भौच, मंजू पटानी, समता जैन, रंजना जैन व बच्चों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

ये रहे प्रतियोगिता के विजयेता, मिलेगे पुरुस्कार-जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में इंदु जी बोहरा को सर्वश्रेष्ठ पुरुस्कार एवं सभी बच्चों को जिन्होंने भी भाग लिया है उनका सम्मान एवं पुरस्कार वितरण करेंगे।

एमपीसीसीआई में वैक्सीनेशन कैम्प में 682 लोगों का हुआ वैक्सीनेशन

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) में आज 10 मई को कुल 682 लोगों को टीका लगाया गया। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि चेम्बर भवन में आयोजित वैक्सीनेशन कैम्प में 45 वर्ष से अधिक उम्र के 586 लोगों को टीका लगाया गया। वहीं 18 से 44 वर्ष की उम्र के 96 लोगों को टीका लगाया गया। आगामी कैम्प 12 मई को चेम्बर भवन में लगाया जायेगा।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया पोहरी का भ्रमण

शिवपुरी। कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल ने सोमवार को पोहरी ब्लॉक का भ्रमण किया। उन्होंने आदिवासी बाहुल्य ग्राम जाखनोद और मठखेड़ा का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्रामों में पहुंचकर नागरिकों से चर्चा की। कोविड-19 से बचाव के उपाय की जानकारी दी और सभी को टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने किल कोरोना अभियान का भी जायजा लिया। उन्होंने ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए बताया कि सामान्य खांसी, जुकाम बुखार आदि के लक्षण दिखने पर कोरोना टेस्ट कराएं। यह बीमारी घातक हो सकती है इसलिए किसी भी अंधविश्वास में ना पड़े। समय पर टेस्ट कराने से इलाज शुरू होगा और मरीज ठीक हो जाएंगे। किसी भी प्रकार की लापरवाही हानिकारक हो सकती है। उन्होंने कोविड केयर सेंटर की भी जानकारी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम पोहरी श्री जे.पी.गुप्ता एवं विकासखंड स्तरीय अन्य अधिकारियों से जानकारी ली। कोरोना कर्फ्यू के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेड जोन वाले एरिया में कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराएं। मेडिकल इमरजेंसी होने पर लोगों को निकलने की अनुमति दी जाए।

प्रारंभिक लक्षण दिखने पर कराएं कोरोना की जांच

शिवपुरी। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लगातार प्रयास जारी है। जिले के सभी नागरिकों को भी सलाह दी जा रही है कि खांसी, जुकाम, बुखार आदि के प्रारंभिक लक्षण दिखने पर तत्काल कोरोना टेस्ट कराएं। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल ने बताया कि जिले में 25 फीवर क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं। जहां कोविड की जांच की जा रही है। जिला चिकित्सालय में भी जांच की जा रही है। 9 मई की जानकारी अनुसार जिले में 11 सौ से अधिक रैपिड एंटीजन टेस्ट किए गए जिसमें से 124 पॉजिटिव पाए गए और 287 आरटीपीसीआर टेस्ट किए गए। इस प्रकार लगभग 14 सौ कोरोना टेस्ट किए गए। सभी नागरिकों को यह सलाह दी जा रही है कि प्रारंभिक लक्षण दिखने पर ही कोरोना की जांच कराएं ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। टेस्ट सेंटर से मेडिकल किट भी साथ लेकर जाएं और दवाओं का सेवन करें।

ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण की रोकथाम के लिये हो पुख्ता प्रबंध

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने भितरवार एवं घाटीगाँव क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिये जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये सभी एहतियाती उपाय किए जाएँ। ग्रामीण क्षेत्र में किल कोरोना-3 अभियान के तहत घर-घर सर्वेक्षण का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सोमवार को विकासखण्ड भितरवार, घाटीगाँव की क्राइसेस मैनेजमेंट समिति की बैठक वर्चुअली करते हुए यह निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भितरवार एवं घाटीगाँव में क्राइसेस मैनेजमेंट के लिये गठित समिति के सदस्यों से चर्चा की और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बैठक में निर्देश दिए हैं कि जिन गाँवों में कोविड संक्रमित लोग मिल रहे हैं उनमें विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे सभी गाँवों में ग्रामीणों के आने-जाने पर प्रतिबंध लगाया जाए। ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना जनता कर्फ्यू के तहत जो प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण क्षेत्र में कोविड से संक्रमित लोगों की सेम्पलिंग कर उन्हें आइसोलेशन सेंटर तक पहुँचाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। इसके लिये आवश्यकता हो तो वाहन किराए पर लिए जाएँ। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कोविड की समीक्षा के दौरान यह भी निर्देशित किया है कि जिले की हर जनपद पंचायत को एक - एक एम्बूलेंस भी उपलब्ध कराई जाए। संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ वैक्सीनेशन का कार्य भी पूरी गति के साथ चलाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड गाइडलाइन के अनुसार विवाह एवं अन्य समारोह पूर्णतः प्रतिबंधित किए जाएँ। इसके साथ ही अंत्येष्टि के समय भी शासन गाइडलाइन का पालन हो यह सुनिश्चित किया जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बैठक में यह भी निर्देशि किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को जो पाँच माह का निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है उसका वितरण तत्परता से किया जाए। सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो इस पर विशेष निगरानी रखी जाए।

ब्लॉक, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय वार्ड में संकट प्रबंधन समूह गठन के निर्देश

ग्वालियर। राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जाये। जिला स्तर पर पूर्व में ही जिला संकट प्रबंधन समूह गठित है और उनके द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिये सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है।

अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजोरा ने कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिये जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समूहों के गठन के निर्देश दिये हैं। इन समूहों द्वारा ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय वार्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न आपात स्थिति के नियंत्रण के लिये राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन और कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिये सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जायेगी।

विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह-डॉ. राजोरा ने बताया कि विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष होंगे। इस समूह में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, विकासखण्ड मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के आयुक्त के प्रतिनिधि अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, प्रोजेक्ट ऑफिसर महिला एवं बाल विकास विभाग, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, कलेक्टर द्वारा नामांकित विकासखण्ड के जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवी संगठन सदस्य होंगे।

एसीएस गृह ने कलेक्टर्स को लिखा पत्र

ग्राम संकट प्रबंधन समूह-डॉ. राजोरा ने कहा कि प्रत्येक गाँव में ग्राम संकट प्रबंधन समूह का गठन किया जाये। ग्राम संकट प्रबंधन के समूह के अध्यक्ष ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष होंगे। ग्राम पंचायत के सचिव, जन अभियान परिषद, महिला स्व-सहायता समूह, राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता, प्रशासनिक समिति के संबंधित ग्राम में निवासरत सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी सहायिका और ग्राम के कोटवार/पटेल समूह के सदस्य होंगे।

नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह- नगरीय क्षेत्रों में वार्ड वार संकट प्रबंधन समूह के गठन के निर्देश दिये गए हैं। डॉ. राजोरा ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह में वार्ड प्रभारी अधिकारी अध्यक्ष होंगे। क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, नगर निगम आयुक्त / मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नामांकित जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, वार्ड के प्रतिष्ठित निजी चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठन, जन अभियान परिषद, राजनैतिक एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता महिला स्व-सहायता समूह सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजोरा ने बताया कि ब्लॉक संकट प्रबंधन समूह के आदेश जिला कलेक्टर, नगरीय वार्ड संकट प्रबंधन समूह के आदेश सम्बन्धित आयुक्त नगर निगम / मुख्य नगर पालिका अधिकारी और ग्राम संकट प्रबंधन समूह के आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा जारी किए जायेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त समूहों की माह में कम से कम एक बैठक हो। उनके द्वारा सतत इन समूहों के कार्य की समीक्षा भी सुनिश्चित की जायेगी। श्री राजोरा ने बताया कि पूर्व में ब्लॉक, वार्ड और ग्राम स्तर पर गठित संकट प्रबंधन समूह इस आदेश से गठित समूहों में समाहित होंगें।

प्रायवेट अस्पतालों में निःशुल्क होगा आयुष्मान कार्डधारी कोरोना रोगियों का उपचार

शिवपुरी। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर अब आयुष्मान कार्डधारी कोरोना से पीड़ित गरीब रोगियों का उपचार प्रायवेट चिकित्सालयों में निशुल्क होगा। उनके लिए 20 प्रतिशत पलंग आरक्षित रखने के निर्देश भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। जिले में आयुष्मान योजना अंतर्गत कोविड का उपचार करने के लिए एम.एम.हॉस्पिटल, नवजीवन हॉस्पिटल तथा पीपुल्स हॉस्पिटल को अनुबंधित किया गया है। सिद्धि विनायक हॉस्पिटल पूर्व से ही आयुष्मान योजना में अनुबंधित है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ए.एल.शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन ने आयुष्मान भारत योजना के तहत कोरोना रोगियों के उपचार हेतु निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत जिले में कोरोना का उपचार कर रहे निजी चिकित्सालयों को तीन माह के लिए अनुबंधित किए जाने सहित आयुष्मान के रोगियों के लिए 20 प्रतिशत पलंग भी आरक्षित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके पालन में शिवपुरी शहर के एमएम हॉस्पिटल, नवजीवन हॉस्पिटल तथा पीपुल्स हॉस्पिटल को अनुबंधित किया गया है वहीं सिद्धि विनायक हॉस्पिटल पूर्व से आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत पूर्व से अनुबंधित है। जिसे भी आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत कोविड रोगियों का उपचार करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शहर के निजी चिकित्सालयों में आधा सैकड़ा से अधिक कोरोना पोजेटिव रोगी भर्ती हैं। शासन द्वारा जारी निर्देशों के बाद अब गरीबों को भी निजी अस्पतालों में उपचार कराने के लिए रास्ता खुल जाएगा क्योंकि गरीब कोरोना रोगियों का उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत होगा जिसका भुगतान शासन द्वारा योजना अनुसार किया जाएगा।

वैद्य आपके द्वार योजना के जरिये घर बैठे निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

ग्वालियर। आयुष विभाग द्वारा शुरू की गई %वैद्य आपके द्वार% योजना के जरिये घर बैठे निःशुल्क आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ से लाइव वीडियों कॉल द्वारा चिकित्सा परामर्श लिया जा सकता है। योजना में आयुष की तीनों विधाओं आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी का लाभ लिया जा सकता है। नागरिक एन्ड्राइड फोन में गूगल प्ले स्टोर से 4हृद्वद्धत्तह्वह्द्ग एप डाउनलोड कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे ने इस योजना का 7 मई को वर्चुअल शुभारंभ किया था। आयुष विभाग ने सामान्य जन को आयुष स्वास्थ्य सेवा सहजता से घर पर ही सुलभ कराने के उददेश्य से इस योजना को टेलीमेडिसिन एप के माध्यम से उपलब्ध कराया है। आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग का समन्वय रूप टेलीमेडिसिन है। इसके अंतर्गत विशेष रूप से तैयार किये गये एप %आयुष क्योर% का रोगी तथा चिकित्सक दोनों उपयोग कर सकेंगे। इसके द्वारा रोगी सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से चिकित्सक से परामर्श प्राप्त कर सकेंगें। चिकित्सक द्वारा बताये गये आवश्यकता होने पर विभिन्न जाँचों को कराकर अपलोड भी कर सकेंगे। इसके आधार पर चिकित्सक परामर्श दे सकेंगे। अधिक आवश्यक होने पर ही चिकित्सक चिकित्सालय में रोगी को बुलायेगें।

आयुष क्योर एप के माध्यम से लाइव वीडियों कॉल पर डॉक्टर्स से होगी चर्चा

उपयोग का तरीका-आयुष क्योर एन्ड्राइड पर आधारित एक एप है। यह गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। मोबाइल नम्बर द्वारा पंजीयन/साइन अप तथा ओ.टी.पी. के माध्यम से सत्यापन होने के बाद आयुष चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी के अनुसार चिकित्सक तथा समय चुनकर अपॉइटमेंट बुक कर सकेंगें। चुने गये चिकित्सक द्वारा निर्धारित समयानुसार ही एप के माध्यम से वीडियों कॉल कर चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा एवं परामर्श पत्र प्रेषित किया जा सकेगा।

खाद्यान्न वितरण एवं उपार्जन की समस्याओं के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम गठित, प्रभारी अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर। जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से माह अप्रैल, मई एवं जून 2021 का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत माह मई एवं जून का अतिरिक्त निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को शासकीय उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण के संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या के निराकरण के लिये कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एक दल गठित किया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसा कलेक्ट्रेट कार्यालय के दूरभाष नम्बर 0751-2446260 को कंट्रोल रूम के रूप में स्थापित किया गया है। इसमें श्री राहुल श्रीवास मोबा. 9584237814 तथा श्री राघवेन्द्र वाजपेयी मोबा. 9039418128 को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उक्त नम्बरों पर कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर उसका तत्परता से निराकरण किया जायेगा। इसके साथ ही जिले में रबी उपार्जन भी जारी है। उपार्जन के दौरान किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु भी कलेक्ट्रेट कार्यालय के दूरभाष नम्बर 0751-2446260 पर कंट्रोल रूम स्थापित है। इसके प्रभारी श्री अमित गुप्ता मोबा. 8827739997 को नियुक्त किया गया है। उक्त नम्बरों पर किसानों की कोई भी समस्या प्राप्त होती है तो उसका त्वरित निराकरण किया जायेगा।

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

Whatsapp :- 9425665944, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

पंचायत एवं मनरेगा

के समस्त अभिलेख के थोक एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल

मो.नं. 9755898938

पता-कल्पना नगर मुरार.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478